पटना ● शुक्रवार, 14 फरवरी 2025 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 6, अंक:39 www.bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDERNEWSMIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

जिलाधिकारी ने की आंतरिक .... 3 www.bordernewsmirror.com अनुष्का सेन ने कातिल अदाओं. 7

दिल्ली में बीजेपी दफ्तर से भी भव्य है केशव कुंज

● 150 करोड़ की लागत से तैयार हुआ आरएसएस भवन ● 3.75 एकड़ में 12 मंजिला 3 टावरों में 300 हैं कमरे, लाइब्रेरी और क्लीनिक की भी है सुविधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के दिल्ली कार्यालय 'केशव कुंज' की नई बिल्डिंग बनकर तैयार हुई है। संघ 1962 से यहां काम कर रहा है। नया कंस्ट्रक्शन 2018 में शुरू हुआ था, जो 8 साल बाद पूरा होने को है। गुजरात के आर्किटेक्ट अनूप दवे ने इसे डिजाइन किया है। बिल्डिंग को मॉडर्न और ओल्ड दोनों की तरह का लुक दिया गया है। 3.75 एकड़ में फैले 150 करोड़ की लागत से बनाए गए नए दफ्तर में 12 मंजिला वाले 3 टावर- साधना, प्रेरणा और अर्चना हैं। इनमें 300 कमरे-ऑफिस हैं। दावा है कि यह रकम 75 हजार लोगों ने दान दी थी। मेन ऑडिटोरियम विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) नेता अशोक सिंघल की स्मृति में बनाया गया है, जो अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य समर्थकों में से एक थे। इसमें 463 लोग बैठ सकते हैं, जबकि दूसरे हॉल में 650 सदस्य बैठ सकते हैं। इस बिल्डिंग में लाइब्रेरी, हेल्थ क्लिनिक (5 बिस्तर वाला) और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट भी है। इलाके के गरीब तबके के

लोग इस अस्पताल में इलाज कर सकेंगे। और बाहरी लोग भी लाइब्रेरी का उपयोग कर सकेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संघ प्रमुख मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले 19 फरवरी को इस कार्यालय से अपने काम की शुरुआत करेंगे। 21 से 23 मार्च तक बेंगलुरु में संघ की सालाना अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का आयोजन होगा। ये संघ का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय माना जाता है। इस बैठक में संघ और इससे जुड़े संगठनों के 1500 से ज्यादा लोग भाग लेंगे। बैठक में संगठनात्मक मामलों के अलावा दूसरे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होगी। कई मामलों पर संघ का रुख दर्शाने वाले प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। बैठक में पार्टी अध्यक्ष सहित वरिष्ठ भाजपा नेता भी शामिल होंगे। केशव कुंज का डिजाइन इस प्रकार किया गया है कि यह कार्यक्रमों, प्रशिक्षण और बैठकों के लिए एक आदर्श स्थान बने। पुस्तकालय शोध कार्यों को सहायता प्रदान करेगा, जबकि ऑडिटोरियम में बड़े आयोजनों का आयोजन किया जा सकेगा।

नया इनकम टैक्स बिल लेकर आई मोदी सरकार

सैलरी से टीडीएस तक की होगी बात, टैक्सपेयर्स को फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नए इनकम टैक्स बिल को लोकसभा में पेश कर दिया है। बीते सप्ताह केंद्र सरकार की कैबिनेट की मंजूरी के बाद गुरुवार को निर्मला सीतारमण ने नए बिल को पेश किया। लोकसभा में हंगामे के बीच वित्त मंत्री ने बिल को सदन के पटल पर रखा। अब इस बिल को आगे के विचार-विमर्श के लिए संसदीय स्थायी समिति के पास भेजा जाएगा। नया इनकम टैक्स बिल एक अप्रैल, 2026 से लागू होने की उम्मीद है। नए बिल में 536 धाराएं, 23 अध्याय और 16 अनुसूचियां हैं। यह सिर्फ

622 पृष्ठों पर अंकित है। इसमें कोई नया कर लगाने की बात नहीं की गई है। यह बिल मौजूदा आयकर अधिनियम, 1961 की भाषा को सरल बनाता है। बता दें कि छह दशक पुराने मौजूदा कानून में 298 धाराएं और 14 अनुसूचियां हैं। जब यह अधिनियम पेश किया गया था, तब इसमें 880 पृष्ठ थे। नए बिल में फ्रिंज बेनेफिट टैक्स से संबंधित अनावश्यक धाराओं को हटा दिया गया है। विधेयक के 'स्पष्टीकरण या प्रावधानों' से मुक्त होने की वजह से इसे पढ़ना और समझना आसान हो जाता है। इसके साथ ही आयकर अधिनियम, 1961 में कई बार इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द 'बावजूद' को नए विधेयक में हटा दिया गया है और उसकी जगह पर लगभग हर जगह 'अपरिहार्य' शब्द का इस्तेमाल किया गया है। इनकम टैक्स बिल में छोटे वाक्यों का उपयोग किया गया है। इसके अलावा तालिकाओं और सूत्रों के उपयोग से इसे पढ़ने के अनुकूल बनाया गया है।

जेपीसी रिपोर्ट पेश, विपक्ष का हंगामा

● वक्फ बिल पर हैं कई सवाल, संसद में भारी बवाल ● खड़गे की नाराजगी, कहा-हमारी आपत्तियां डिलीट कीं

● शाह बोले-जो चाहें जोड़ लें, मेरी पार्टी को आपत्ति नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में बजट सत्र के पहले चरण के आखिरी दिन जेपीसी रिपोर्ट पेश की गई। इस दौरान विपक्ष ने असहमतियों को हटाने पर हंगामा किया। फिर सदन से वॉकआउट कर गए। बजट सत्र के पहले चरण के आखिरी दिन संसद में वक्फ संशोधित बिल पर जेपीसी रिपोर्ट पेश करने को लेकर हंगामा हुआ। राज्यसभा में बीजेपी सांसद मेधा कुलकर्णी ने तो लोकसभा में जेपीसी चेयरमैन और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने इस रिपोर्ट को पेश किया। इसे लेकर दोनों सदनों में विपक्ष ने आपत्ति जताई। इनका आरोप है कि जेपीसी रिपोर्ट में उनकी असहमतियों को डिलीट कर दिया गया। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, जेपीसी की यह रिपोर्ट फर्जी है। इसमें विपक्ष की असहमतियों को डिलीट कर दिया गया। ये असंवैधानिक है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा, हमने अपना पक्ष रखा। इससे सहमत या असहमत हो सकते हैं, लेकिन कूड़ेदान में कैसे डाल सकते हैं। इस पर

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, विपक्ष के कुछ सदस्यों ने आपत्ति जताई थी कि उनकी राय को इसमें नहीं जोड़ा गया। मैं कहना चाहता हूं कि विपक्ष के सदस्य संसदीय कार्य प्रणाली के तहत जो कुछ भी जोड़ना चाहते हैं, वो जोड़ सकते हैं। उनकी पार्टी को इसमें कोई भी आपत्ति नहीं है। विपक्षी दलों ने वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट को लेकर तीखी नाराजगी जताई और सरकार पर संसदीय प्रक्रियाओं का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, 655 पन्नों की रिपोर्ट पढ़ने के लिए हमें केवल एक रात दी गई... हमें अपनी आपत्तियां रखने का पर्याप्त समय नहीं मिला। यदि बैठक के मिनट्स को देखें, तो पाएंगे कि क्लॉज-दर-क्लॉज चर्चा नहीं हुई, जबकि यह सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया होती है। इसे नजरअंदाज किया गया। अध्यक्ष किसके दबाव में काम कर रहे हैं। इसी का हमने विरोध किया है।

केरल में चर्च की जमीन पर मिले हैं मंदिर के अवशेष

● पादरियों ने हिंदुओं को अनुष्ठान करने की अनुमति दी ● करीब 100 साल पहले यहां का मंदिर नष्ट हो गया था

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के पलाई में एक रोमन कैथोलिक चर्च की जमीन पर प्राचीन मंदिर के अवशेष मिले हैं। मंदिर करीब 100 साल पहले नष्ट हो गया था। इसके बाद चर्च कमेटी और पादरियों ने हिंदू समुदाय को धार्मिक अनुष्ठान देवप्रश्नम की अनुमति दे दी है। देवप्रश्नम एक ज्योतिषीय अनुष्ठान है, जिससे भगवान की इच्छा जानी जाती है।

खुदाई में मिला मंदिर का इतिहास स्थानीय हिंदू संगठनों के सदस्यों और चर्च के अनुसार, 4 फरवरी को जब 1.8 एकड़ जमीन पर कसावा (टैपियोका) की खेती के लिए खुदाई चल रही थी, तभी शिवलिंग समेत प्राचीन मंदिर के अवशेष मिले। यह जमीन वेल्लप्पाडु के श्री वनदुर्गा भगवती मंदिर से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रिपोर्ट के मुताबिक यह मंदिर 100 साल पहले नष्ट हो चुका था। पहले यह जमीन एक ब्राह्मण परिवार के स्वामित्व में थी, लेकिन समय के साथ कैथोलिक चर्च के पास आ गई।

इलेक्शन फेयर नहीं हमें साथ रहना होगा

राहुल-केजरीवाल से मुलाकात के बाद बोले आदित्य ठाकरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने दिल्ली दौरे के दौरान गुरुवार को राहुल गांधी और केजरीवाल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सभी विपक्षी सांसदों को सोचना चाहिए कि हमारा अगला कदम क्या होगा, क्योंकि हमारे लोकतंत्र में इलेक्शन अब फेयर और निष्पक्ष नहीं रह गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि केजरीवाल ने 10 साल में बहुत काम किए हैं, जिसे जनता जानती हैं। भाजपा को चुनाव आयोग का आशीर्वाद था, इसी वजह से दिल्ली में जीती है। उसे चुनाव आयोग का आभार करना चाहिए। दिल्ली में काफी जगह वोट काटे गए थे, चुनाव आयोग ने लोगों से वोट डालने का अधिकार छीना है। चुनाव आयोग ने कई राज्यों में हेराफेरी की आदित्य ठाकरे ने चुनाव आयोग पर महाराष्ट्र, हरियाणा, ओडिशा और दिल्ली

सहित कई राज्यों में मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने लोगों के वोट देने के अधिकार को छीन लिया है और वह इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए भी तैयार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष इस मामले को औपचारिक रूप से उठाएगा। साथ ही ठाकरे ने जोर देकर कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव देश के लिए जरूरी हैं। ठाकरे ने कहा कि सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन रिश्ते बने रहते हैं। हमने केजरीवाल से दोस्ती के संकेत के तौर पर बैठक की। इसमें शिवसेना संजय राउत और प्रियंका चतुर्वेदी भी मौजूद थे। मीटिंग में दिल्ली में हुए विधानसभा चुनाव और विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक के भविष्य पर चर्चा की। हमें लगता है कि देश में अब लोकतंत्र नहीं रहा। केजरीवाल जी और कांग्रेस के साथ जो हुआ, वह भविष्य में नीतिश जी, आरजेडी और चंद्रबाबू जी नायडू के साथ भी हो सकता है। भारत गठबंधन का नेतृत्व संयुक्त है। कोई एक नेता नहीं है। यह अहंकार या किसी के लाभ की लड़ाई नहीं है, बल्कि देश के भविष्य की लड़ाई है। शिंदे को सम्मानित किए जाने पर उद्धव ठाकरे गुट ने नाराजगी जताई।

एएपी विधायक अमानतुल्लाह की गिरफ्तारी पर लगी रोक

24 फरवरी तक के लिए मिली छूट, कोर्ट ने दी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक कोर्ट ने पुलिस टीम पर हमला मामले में एएपी विधायक अमानतुल्लाह खान की गिरफ्तारी पर 24 फरवरी तक रोक लगा दी है। गुरुवार को राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज जस्टिस जितेंद्र सिंह ने खान को आदेश दिया कि जब भी जांच अधिकारी बुलाएं, वे जांच में

शामिल हों। कोर्ट ने अमानतुल्लाह की अग्रिम जमानत वाली याचिका सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया। वहीं, जस्टिस सिंह ने पुलिस को हमले से जुड़े सभी डाक्यूमेंट्स और सीसीटीवी फुटेज कोर्ट में पेश करने का भी आदेश दिया। दरअसल, एएपी विधायक अमानतुल्लाह पर जामिया नगर में 10 फरवरी को पुलिस टीम पर कथित हमले की अगुवाई करने का आरोप है। हमले के बाद दिल्ली पुलिस ने खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। पुलिस का कहना है कि खान 3 दिन से फरार हैं। एएपी विधायक ने कहा- कल मैंने कोर्ट ज्वाइन किया, परसों कोर्ट ज्वाइन किया। कल भी मैंने सीबीआई कोर्ट ज्वाइन किया।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में डेढ़ घंटे रहेंगे पीएम मोदी

● भोपाल में आयोजन, अडाणी-बिड़ला और अंबानी भी आएंगे

● अब तक 20 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन, सख्त रहेगी सुरक्षा

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में 24-25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। पीएम समिट स्थल मानव संग्रहालय में सुबह 10 से 11.30 बजे तक रहेंगे। शेड्यूल के मुताबिक, पीएम 23 फरवरी की रात में भोपाल आ सकते हैं। वे राजभवन में रुकेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी और सीएम डॉ. मोहन यादव देश-विदेश के शीर्ष उद्योगपतियों के साथ राजभवन में डिनर भी करेंगे। समापन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आएंगे। समिट के लिए देश के दो बड़े उद्योगपति गौतम अडाणी और कुमार मंगलम बिड़ला की सहमति मिल गई है जबकि मुकेश अंबानी भी आएंगे। उनकी मौखिक सहमति मिली है। समिट के लिए अब तक 20 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। अब तक के प्लान के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी मुख्य डोम में रहेंगे। डोम की कैपेसिटी 3000 लोगों की है। मंच पर सिर्फ पोडियम रहेगा, जहां अतिथि स्पीच देकर लौट जाएंगे। ठीक सामने 60 वीआईपी कुर्सियां लगाई जाएंगी। यहां प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, अदाणी, अंबानी, बिड़ला समेत देश के शीर्ष बड़े उद्योगपति, केंद्रीय मंत्री, डिप्टी सीएम, संबंधित विभागों के मंत्री, सांसद, विधायक आदि रहेंगे। डोम में 40 से ज्यादा बड़ी स्क्रीन लगेंगी ताकि पीएम और अन्य अतिथियों को आखिरी छोर तक बैठे उद्योगपति सुन सकें।

मणिपुर में केंद्र सरकार ने लगाया राष्ट्रपति शासन

4 दिन पहले ही बीरेन सिंह ने दिया था सीएम पद से इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद अब राष्ट्रपति शासन लग गया है। खास बात है कि बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद राज्य में नए मुख्यमंत्री का नाम सामने नहीं आया था। ऐसे में राज्य में राष्ट्रपति शासन की अटकलें लग रही थीं। राज्य में मई 2023 से अब तक दो समुदायों मैतेई और कुकी समुदाय के बीच टकराव के बाद भयंकर हिंसा हुई है। इस हिंसा में 250 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। माना जा रहा है कि बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद

बीजेपी विधायक दल में नए सीएम के नाम पर सहमति नहीं बन पाई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद बीजेपी मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार चुनने में 'विफल' रही। बीरेन सिंह ने 4 दिन पहले ही अपने पद से इस्तीफा दिया था। खबर थी कि बीजेपी विधायक कांग्रेस की तरफ से राज्य विधानसभा में लाए जाने वाले अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन कर सकते हैं।

दिल्ली रिजल्ट के बाद कांग्रेस के अंदर फूट की आहट!

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी हाईकमान को कड़ा संदेश

पटना (एजेंसी)। दिल्ली चुनाव में विपक्ष की हार का सीधा असर बिहार पर भी पड़ा है, जहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। कांग्रेस में भी इस बात को लेकर खुसर-फुसर शुरू हो गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद तारिक अनवर ने अपनी पार्टी से सीधे सवाल किया है कि वह चुनावी बिहार के लिए अपना रुख और रणनीति स्पष्ट करे। तारीक अनवर ने इसी सोमवार को एक्स पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस को अपनी राजनीतिक रणनीति स्पष्ट करने की जरूरत है। उसे यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह चुनाव में अकेले उतरेगी या गठबंधन की राजनीति करेगी। उन्होंने पार्टी के संगठनात्मक ढांचे में बुनियादी बदलावों की जरूरत पर भी जोर दिया। बाद में उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा था कि यह अब जरूरी हो गया है, क्योंकि आधे-अधूरे गठबंधन लोगों में भ्रम पैदा करते हैं। यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि कांग्रेस गठबंधन में चुनाव लड़ना चाहती है या अकेले जाना चाहती है। हालांकि, अनवर ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस ने बिहार में गठबंधन के साथ लोकसभा चुनाव लड़ा था। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इसमें

कोई बदलाव होगा, लेकिन हाल ही में राज्य चुनावों में सफलता की कमी का आकलन करने के बाद स्पष्ट रणनीति बनाने का समय आ गया है। पार्टी हाईकमान को इस पर फैसला लेना है। अनवर 1970 के दशक से कांग्रेस में थे, लेकिन 1990 के दशक में उन्होंने पार्टी छोड़ दी और शरद पवार और दिवंगत पीए संगमा के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे, उन्होंने सोनिया गांधी के विदेशी मूल के आधार पर एआईसीसी अध्यक्ष के रूप में पदभार संभालने का विरोध किया। हालांकि, 2018 में वह फिर से कांग्रेस में शामिल हो गए। हालांकि, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद अखिलेश सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा कि बिहार में गठबंधन बरकरार है और दोनों मिलकर चुनाव लड़ेंगे। लेकिन अनवर के बयान को दिल्ली चुनाव के नतीजों के परिणाम के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें कांग्रेस ने 70 में से 67 सीटों पर जमानत गंवा दी थी। अखिलेश सिंह ने कहा कि दिल्ली चुनाव खत्म हो चुका है और बिहार में खेल अलग है। यहां कोई मुद्दा नहीं है। बिहार में गठबंधन 2020 में भी था और आरजेडी और कांग्रेस पुराने और भरोसेमंद सहयोगी रहे हैं। यहां कोई विश्वास की कमी नहीं है और कांग्रेस ने पिछले लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया था और उसने 12 सीटों में से चार पर जीत हासिल की थी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता किशोर कुमार झा कहते हैं कि केजरीवाल की आप के लिए कांग्रेस को किनारे करने के भारत ब्लॉक के गठबंधन सहयोगियों के प्रयास के कारण दिल्ली में खराब परिणाम आए।

संक्षिप्त समाचार

कुशेश्वरस्थान में रविदास जयंती पर निकाली झांकी

दरभंगा, एजेंसी। संत शिरोमणि रविदास जयंती कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड के केवटगामा गांव में बुधवार को धूम-धाम के साथ श्रद्धा पूर्वक मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत रविदास टोला से रविदास महासभा की ओर से गाजे बाजे के साथ आकर्षक रूप से भव्य झांकियां निकाल कर किया गया। झांकी नगर भ्रमण करते हुए रविदास आश्रम पहुंचे। जहां रविदास महासभा के प्रखंड अध्यक्ष सुरेश राम की अध्यक्षता में संत शिरोमणि रविदास जयंती समारोह आयोजित किया गया। जिसमें लोगों ने संत शिरोमणि रविदास की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इससे पहले रविदास महासभा के प्रखंड संयोजक लखिन्दर राम जिला परिषद सदस्य पूनम मणि शर्मा, पूर्वी प्रखंड प्रमुख अंजनी भारती, समाजसेवी राम शंकर शर्मा, केवटगामा पंचायत के मुखिया छेदी राय एवं सरपंच बबन दास सहित अन्य अतिथियों को पाग, चादर एवं पुष्प माला तथा संत रविदास की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुखिया छेदी राय ने रविदास आश्रम के चारदीवारी एवं पुस्तकालय भवन का निर्माण कराने की घोषणा किए। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष रोशन कुमार राय,पूर्वी मंडल अध्यक्ष अजय कुमार राय, पूर्व मुखिया भोला प्रसाद मुखिया, नव कांत राम,सिकेन्दर राम,राम नारायण राम बीनो राम सहित रविदास समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

न्यायाधीश ने अधिवक्ताओं के साथ की बैठक

दरभंगा, एजेंसी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार विनोद कुमार तिवारी के निर्देश पर बुधवार को आगामी आठ मार्च को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक क्लेम केस के निपटारे के लिए क्लेम केस से जुड़े अधिवक्ताओं के साथ विशेष उत्पाद न्यायाधीश द्वितीय श्री रविशंकर कुमार ने बैठक की। जिला सह अपर सत्र न्यायाधीश श्री कुमार ने अधिवक्ताओं को कई आवश्यक निर्देश दिए।

नाबालिग से छेड़खानी के आरोपी को 3 साल की सजा

● **औरंगाबाद में नाबालिग ने खुद दर्ज करवाया था मामला, 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगा**

औरंगाबाद, एजेंसी। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में बुधवार को एडिजे सह स्पेशल पोक्सो कोर्ट लक्ष्मीकांत मिश्रा ने सज़ा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए एकमात्र अभियुक्त ओबरा थाना क्षेत्र के चपरी गांव निवासी सूर्यमल कुमार को सज़ा सुनाई है। स्पेशल पीपी शिवलाल मेहता ने बताया कि अभियुक्त सूर्यमल कुमार को दोषी करार देते हुए जेल भेज दिया गया था। बुधवार को सज़ा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए अभियुक्त को तीन साल की सजा सुनाई गई है , और दस हजार रुपए जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना न देने पर तीन महीने की अतिरिक्त साधारण कारावास होगी।

मामला दर्ज होते ही कार्रवाई में जुटी थी पुलिस : अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि नाबालिग पीड़िता ने खुद ही ओबरा थाने में आकर 26 फरवरी 2022 को अभियुक्त के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें कहा था कि ओबरा बाजार से लोटते वक्त हनुमान मंदिर चपरी के पास पहले से घात लगाए बैठे अभियुक्त ने मेरे साथ छेड़खानी किया। विरोध करने पटक दिया। वह सूनसान जगह ले जाने लगा, मेरे रोने की आवाज सुन कर गांव वाले जुटने लगे तो, अभियुक्त धमकी देकर भाग गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई में जुटी हुई थी।

सर्वे: बिहार में मोदी-नीतीश का मैजिक बरकरार ! विस चुनाव में बढ़ सकती है तेजस्वी की मुश्किलें

पटना, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनावों में अपनी हालिया जीत से उत्साहित, भारतीय जनता पार्टी ने बिहार में 243 विधानसभा सीटों में से 225 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है, जहां इस साल के आखिर में चुनाव होने हैं। इस साल नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बीजेपी के साथ गठबंधन करके सत्ता के लिए नए सिरे से प्रयास करेंगे। उनका मुकाबला राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के तेजस्वी यादव से है, जो राज्य में सत्ता में लौटने के लिए दो दशकों की सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाने की उम्मीद कर रहे हैं। ऐसे में अब एक सर्वे ने तेजस्वी यादव की टेंशन बढ़ा दी है तो वहीं एनडीए में खुशी की लहर दौड़ गई है। दरअसल, एक बड़े चैनल के सर्वे के अनुमान के मुताबिक बिहार में मतदान का गणित बेहद स्पष्ट है। अगर एनडीए एकजुट रहता है, तो उसे हराना मुश्किल होगा। बिहार में मतदान का पैटर्न पूरी तरह से अंकगणित पर आधारित होता है। दिल्ली जैसे राज्यों की तरह यहां स्प्लिट वोटिंग नहीं होती। अगर भाजपा, नीतीश कुमार की जदयू और चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) साथ बनी रहती हैं, तो महागठबंधन के लिए राह बेहद मुश्किल होगी।इस विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में एनडीए कोवोटों का फायदा होता दिख रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में इसे 47 प्रतिशत वोट शेयर मिला था, जो अब बढ़कर 52 प्रतिशत हो सकता है। दूसरी ओर, इंडिया गठबंधन को भी मामूली बढ़त मिलती दिख रही है, लेकिन यह 39 प्रतिशत से बढ़कर सिर्फ 42 प्रतिशत तक ही पहुंच पा रहा है।वहीं, दिल्ली चुनाव के नतीज़ों ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में पार्टियों की स्थिति को लेकर कयास तेज़ कर दिए है। जानकारों की मानें तो दोनों ही गठबंधनों यानी एनडीए और महागठबंधन की पार्टियों में सीट शेयरिंग को लेकर नए समीकरण बनेंगे। दिल्ली फतह के बाद एनडीए में बीजेपी की बारगेनिंग पावर बढ़ेगी तो महागठबंधन में कांग्रेस और भाकपा (माले) मजबूती से बॉरगेन करेंगे। हालांकि सूत्रों की मानें तो इस विधानसभा चुनाव में जेडीयू 100, बीजेपी 100 पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। इसके अलावा बाकी बचे सीटों को एनडीए के अंदर शामिल दलों में बांटा जा सकता है। इधर, आरजेडी के लिए सबसे बड़ा प्लस पॉइंट यह है कि राज्य में एंटी इंकंबेंसी जबरदस्त है पर मुश्किल यह है कि क्या आरजेडी नेता तेजस्वी यादव उसे भुना सकेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ऐतिहासिक पांचवें कार्यकाल के लिए मैदान में उतरने के लिए रणभेरी बजा चुके हैं। अब देखना है कि तेजस्वी यादव दो दशकों की सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाने के लिए क्या करते हैं? क्योंकि बीजेपी अपने सहयोगी जेडीयू के साथ गठबंधन में है और महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली में कठिन चुनावों में जीत दर्ज करने के बाद एनडीए का हौसला बुलंद है। नीतीश कुमार के बारे में बार-बार उनके स्वास्थ्य को लेकर अटकलें लगाई जाती रहती हैं पर जिस तरह से उन्होंने पिछले 2 महीनों से यात्राएं शुरू की हैं वो आश्चर्यजनक है। 23 दिसंबर 2023 को उन्होंने प्रगति यात्रा की शुरुआत की थी, जिसके तहत वे पूरे राज्य का दौरा कर रहे हैं. इसके अलावा, वे विशेष समूहों को साधने के लिए 'नारी शक्ति रथ यात्रा' और 'कर्पूरी रथ यात्रा' जैसे अलग-अलग अभियान भी चला रहे हैं।

ट्रैक्टर ने महिला को रौंदा, मौत, ग्रामीणों ने चालक को पकड़ कर पुलिस को सौंपा

गोपालगंज में घर के बाहर बैठी थी

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज के भोरे थाना क्षेत्र के गोइता टोला गांव में एक अनियंत्रित ट्रैक्टर के चपेट में आने से एक 46 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वही स्थानीय लोगो द्वारा ट्रैक्टर चालक को पकड़ कर बंधक बना लिया गया और पुलिस को सूचना दी गई। और आरोपी ट्रैक्टर चालक को पुलिस के हवाले कर दिया गया। जबकि पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज मामले की जांच में जुट गई है। मृतका की पहचान भोरे थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गोइता टोला निवासी दुखी साह की पत्नी सुमन देवी(46) के रूप में की गई।

अस्पताल ले जाने के दौरान गई जान

बताया जा रहा है कि सुमन देवी अपने घर के दरवाजे पर बैठी थी। इसी बीच एक अनियंत्रित ट्रैक्टर मौके पर पहुंचा। जबकि तक महिला कुछ समझ पाती तब तक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने उसे कुचल दिया, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। जख्मी अवस्था में स्थानीय लोगो के सहयोग

से परिजनों द्वारा उसे तत्काल इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रैक्टर चालक को बंधक बना लिया है। इसकी सूचना भोरे थाना की पुलिस को दी। भोरे थाना की पुलिस घटना स्थल पर पहुंच मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

आरोपी चालक गिरफ्तार

भोरे थानाध्यक्ष कैप्टन शहनवाज ने बताया कि ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक महिला की मौत हुई है। शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। चालक को हिरासत में लिया गया है जबकि ट्रैक्टर को जब्त किया गया है।

दिल्ली चुनाव के नतीजों का बिहार में असर नहीं होगा

लालू यादव बोले- हमारे रहते बीजेपी नहीं बना पाएगी सरकार; भाजपा बोली- 25 सीट भी नहीं जीत पाएंगे

पटना, एजेंसी। पटना में आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली चुनाव के नतीजों का बिहार में कोई असर नहीं पड़ेगा। हमलोग के यहां रहते, बिहार में ऐसे ही भाजपा सरकार बना लेगी। बीजेपी वालों को जनता जान चुकी है।

जनता ने उनके विनाश को देखा है

आरजेडी सुप्रीमो के बयान पर बीजेपी ने पलटवार किया है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा कि लालू यादव बड़बोले नेता हैं। होटवार जेल को सुशोभित कर चुके हैं। अभी धृतराष्ट्र के रोल में हैं। अपने पुत्र दुर्योधन को सीएम बनाने के लिए व्याकुल हैं। उनको पहले ये समझना चाहिए कि पहली बार बीजेपी के समर्थन से सीएम बने थे। 2025 में आरजेडी को 25 सीटें भी नहीं आएंगी। जनता ने विकास देखा है और उनका विनाश भी देखा है।

पीएम की गारंटी पर लोगों को भरोसा है

दिलीप जायसवाल ने कहा था कि केजरीवाल ने मतदाताओं को मुफ्त चीजें देने का वादा करके सारी हदें पार कर दी थीं। वह पहले छत्तीसगढ़ में देखे गए रुझानों पर गौर करने में विफल रहे। जहां लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर भरोसा किया और कांग्रेस की भूपेश सिंह बघेल सरकार के खिलाफ वोट दिया। बिहार में भी कुछ लोग अरविंद केजरीवाल के चेले बन गए हैं। वे महिलाओं को 2,500 रुपए की मासिक सहायता और मुफ्त बिजली देने के वादे के सहारे मतदाताओं को अपनी ओर लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली के फैसले ने उन्हें चौंका दिया है।

दिलीप जायसवाल ने केजरीवाल का शिष्य बताया था

दरअसल, दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद बीजेपी के नेता कह रहे हैं कि दिल्ली तो झांकी है, बिहार अभी बाकी है। कुछ दिन पहले बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बिना नाम लिए आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का शिष्य बताया था।

रोहतास में इंटर छात्रा की संदिग्ध मौत, नहर से शव बरामद हुआ

सासाराम, एजेंसी। बिहार के रोहतास में रविवार की शाम से लापता इंटर छात्रा की लाश को पुलिस ने एसडीआरएफ की मदद से नहर से बरामद कर लिया है. जिले के अकोढीगोला थाना क्षेत्र के लंगेश्वर बिगहा स्थित नहर में उसका शव पड़ा मिला था. वहीं, पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है. हालांकि अभी तक मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है.

मां के साथ सब्जी खरीदने गई थी लड़की

घटना के संबंध में बताया जाता है कि लड़की रविवार को अचानक लापता हो गई थी. शाम को वह सब्जी खरीदने अपनी मां के साथ अकोढीगोला बाजार आई थी लेकिन अचानक सब्जी की दुकान से गायब हो गई थी. मां ने बेटी की काफी खोजबीन की लेकिन वह कहीं नहीं मिली तो थक-हारकर परिजनों के माध्यम से पुलिस को सूचना दी.

नहर से छात्रा का शव बरामद:

परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्जकर संध्या की तलाश शुरू कर दी थी लेकिन इसी बीच गुरुवार सुबह उसका शव नहर से बरामद हुआ है. पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है. अकोढ़ी गोला थानाध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि परिजनों की शंका को

देखते हुए पुलिस प्रशासन की टीम ने पहले स्थानीय गोताखोरों की मदद से नहर में तलाश कराई, फिर भी जब लड़की नही मिली तो आरा से एसडीआरएफ की टीम भी बुलाई गई. नहर में खोजबीन के बाद लड़की का शव बरामद कर लिया गया.

कैसे हुई लड़की की मौत?

आशंका व्यक्त की जा रही है कि युवती ने नहर में कूदकर आत्महत्या की है. हालांकि अभी तक पुलिस मौत की स्पष्ट वजह नहीं बता पा रही है. थानाध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा ने कहा कि पुलिस तमाम बिंदुओं पर जांच कर रही है. फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया गया है. अकोढ़ी गोला थाना के थानाध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा का कहना है कि रविवार की देर शाम लड़की के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी. एसडीआरएफ की मदद से लड़की का शव बरामद कर लिया गया है. अभी परिजन सदमे में हैं और कुछ भी बोलने की फिलहाल स्थिति में नहीं है. मामले की जांच की जा रही है.

आरटीई : मियाद खत्म, पिछले साल से 25 फीसदी अधिक हुए रजिस्ट्रेशन

पटना, एजेंसी। शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के तहत सत्र 2025-26 में निजी विद्यालयों में नामांकन लेने के लिए के रजिस्ट्रेशन की मियाद खत्म हो गयी। 26 दिसंबर से लेकर 10 फरवरी तक शिक्षा विभाग के ऑनलाइन पोर्टल ज्ञानदीप के माध्यम से रजिस्ट्रेशन हुआ। इस बार पंजीकरण की स्थिति पिछले साल से काफी बेहतर रही। 5057 बच्चों के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया गया। जो पिछले साल की तुलना में करीब 25 फीसदी अधिक है। सत्र 2025-26 के पहले और दूसरे चरण मिलाकर 3726 रजिस्ट्रेशन हुआ था। पहले चरण में 2640 व दूसरे चरण में 1086 पंजीकरण हुआ था। डीईओ डॉ. ओम प्रकाश ने बताया कि सीबीएसई व ई-संबंधन से स्वीकृति प्राप्त विद्यालयों में 25 प्रतिशत कमजोर व अलाभकारी वर्ग के बच्चों का नामांकन लेना है। पिछले साल की तरह इस बार भी आरटीई के तहत नामांकन पर विशेष जोर है। इस बार अधिक रजिस्ट्रेशन हुआ है। पंजीकरण के बाद आगे की प्रक्रिया चल रही है।

5057 में 1978 आवेदन स्वीकृत, 3069 की हो रही जांच-पड़ताल : जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्रा. शि व सर्व शिक्षा अभियान) असगर आलम खां ने बताया कि 26 दिसंबर से शुरू होकर 10 फरवरी तक छात्रों का रजिस्ट्रेशन हुआ। नामांकन के लिए ऑनलाइन कुल 5057 आवेदन आए। इसमें बीईओ के जरिए 1978 आवेदनों को स्वीकृत भी कर दिया गया है। 3069 की जांच प्रक्रिया चल रही है। 10 आवेदन रद्द हुए हैं। 15 फरवरी तक पंजीकृत छात्रों का सत्यापन होगा। सत्यापन के बाद 17 फरवरी को सत्यापित छात्रों का ऑनलाइन स्कूल आवंटन हो जाएगा। 18 फरवरी से चयतिन छात्र अपने आवंटित विद्यालय जाने लगेंगे। 18 फरवरी से लेकर 28 फरवरी तक स्कूलों में प्रवेश होगा। विभागीय प्रक्रिया चल रही है।

पिछले साल आरटीई के तहत नामांकन कराने में गया सूबे में रहा था अव्वल

डीईओ डॉ.ओम प्रकाश ने बताया कि चयनित बच्चों का विद्यालय चयन लॉटरी के माध्यम से होगा। दिव्यांग बच्चों के लिए पांच फीसदी सीट आरक्षित है। विद्यालय के नजदीक रहने वाले छात्रों को प्राथमिकता दी जाती है। बताया कि पिछले सत्र में सूबे भर में आरटीई के तहत अलाभकारी समूह यानी अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक समूह के बच्चों का नामांकन कराने में गया अव्वल रहा था। पिछले साल जमकर प्रचार-प्रसार किया गया था। नामांकन की पूरी प्रक्रिया सहित अन्य नियमावली की जानकारी सहज तरीके से दी गई। इसमें डीपीओ (प्रा.शि.)और उनके कर्मियों का भी काम बेहतर रहा था। इस साल भी पूरी टीम लगी हुई है।

बिहार की सभी 243 सीटों पर किस्मत आजमाएंगे पशुपति पारस

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी बिहार विधानसभा के चुनाव में बिहार की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में जुट गई है. रालोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है. दो दिवसीय पार्टी के पदाधिकारी की बैठक में यह निर्णय लिया गया.

हमारी पार्टी हर बूथ पर संगठन खड़ा करेगी और बीएलओ नियुक्त करेगी. आगामी अप्रैल माह तक राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी बिहार के सभी विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ता सम्मेलन करेगी.- पशुपति कुमार पारस, राष्ट्रीय अध्यक्ष, रालोजपा

243 सीट पर चुनाव लड़ने की तैयारी

मंगलवार को जिलाध्यक्षों एवं राज्य कार्यकारिणी की बैठक में पशुपति कुमार पारस ने बिहार विधानसभा की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की. बैठक में यह निर्णय लिया गया कि आगामी 14 अप्रैल को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पटना में दलित सेना मनाएगी. जिसमें पूरे बिहार से दलित सेना के कार्यकर्ता इकट्ठा होंगे. बिहार में दलित उत्पीड़न, चौकीदार दफादार का शोषण तथा पासी समाज के पुश्तैनी व्यवसाय ताड़ी उत्पादन एवं बिक्री का अधिकार दिलाने के लिए पार्टी संघर्ष करेगी.

एनडीए से किनारा

2024 लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय लोकजनशक्ति पार्टी एनडीए गठबंधन में शामिल थी और पशुपति कुमार पारस नरेंद्र मोदी की सरकार में कैबिनेट मंत्री भी थे. लेकिन लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी को बिहार में एक भी सीट चुनाव लड़ने के लिए नहीं दिया गया. लोकसभा चुनाव तक पशुपति कुमार पारस अपने आपको एनडीए का हिस्सा बता रहे थे. चिराग पासवान के एनडीए में शामिल होने के बाद धीरे-धीरे एनडीए के साथ पशुपति कुमार पारस की दूरी बढ़ती गई. पाशुपति कुमार पारस की पार्टी को एनडीए के किसी भी बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया. इसके बाद से ही एनडीए के साथ उनकी दूरी बढ़ने लगी थी.

लालू प्रसाद से मुलाकात

मकर संक्रांति के अवसर पर बिहार में चूड़ा दही भोज के आयोजन की परंपरा रही है. पशुपति पारस ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को चूड़ा दही भोज का निमंत्रण दिया गया. पशुपति पारस के आवास पर इस भोज में शामिल होने के लिए लालू प्रसाद यादव अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव के साथ पहुंचे थे. उसके बाद से ही यह कयास लगाया जा रहा था कि पशुपति कुमार पारस की पार्टी की महागठबंधन में एंट्री हो सकती है.

नेताओं को घर पर पार्टी का झंडा लगाना अनिवार्य

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस राज ने पार्टी के सभी पदाधिकारी एवं जिला अध्यक्षों को यह आदेश दिया कि वह अपने आवास पर पार्टी का झंडा और नेम प्लेट अनिवार्य रूप से लगाएं. इसके अलावे कल की बैठक में वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को यह विश्वास दिलाया गया कि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी के मजबूत साथियों को विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी बनाएगी.

खुद पशुपति कुमार पारस ने भी कहा था कि विधानसभा चुनाव के समय किसके साथ चुनाव लड़ना है, वह उस समय फैसला लिया जाएगा.

जिलाधिकारी ने की आंतरिक संसाधन एवं नीलम पत्र वाद की समीक्षा

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा आन्तरिक संसाधन के माध्यम से राजस्व की वसूली एवं नीलाम पत्र वादों के मामलों में की जा रही वसूली की समीक्षा गुरुवार को किया गया। समीक्षा के दौरान निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध नगर निगम मोतिहारी के द्वारा- 56.75 प्रतिशत, वाणिज्यकर मोतिहारी के द्वारा 77.22 प्रतिशत, वाणिज्यकर रक्सौल के द्वारा 70.78 प्रतिशत, जिला परिवहन कार्यालय मोतिहारी के द्वारा 83.71 प्रतिशत, जिला सहकारिता कार्यालय के द्वारा 41.92 प्रतिशत, जिला मत्स्य कार्यालय मोतिहारी के द्वारा 34.36 प्रतिशत्त, वन विभाग, मोतिहारी के द्वारा 59.23 प्रतिशत, भूमि विकास बैंक, मोतिहारी के द्वारा 70.53 प्रतिशत, जिला अवर निबंधक, मोतिहारी के द्वारा 83.25 प्रतिशत, अवर निबंधक, ढाका के द्वारा 95. 57 प्रतिशत, अवर निबंधक, चकिया के द्वारा 85.07 प्रतिशत, अवर निबंधक, पकड़ीदयालय के द्वारा 90.87 प्रतिशत, अवर निबंधक, छौड़ादानों के द्वारा 104.24 प्रतिशत, अवर निबंधक, रक्सौल के द्वारा 73.05 प्रतिशत, अवर निबंधक, अरेराज के द्वारा 83.32 प्रतिशत, जिला परिषद मोतिहारी के द्वारा 40. 97 प्रतिशत, नगर परिषद, रक्सौल के द्वारा 53.65 प्रतिशत, नगर परिषद चकिया के द्वारा 99.97 प्रतिशत, नगर परिषद ढाका के द्वारा 95.93 प्रतिशत, नगर पंचायत अरेराज के द्वारा 72.18 प्रतिशत, नगर पंचायत केसरिया के द्वारा 98.55 प्रतिशत, नगर पंचायत पकड़ीदयाल के द्वारा 58.86 प्रतिशत, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल मोतिहारी के द्वारा 72.87 प्रतिशत, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल रक्सौल के द्वारा 75. 35 प्रतिशत, एवं विद्युत आपूर्ति प्रमंडल चकिया के द्वारा 88.58 प्रतिशत की राजस्व संग्रहण पाया गया। समीक्षा के दौरान उपस्थित सभी विभागों के पदाधिकारियों को मार्च तक शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का निदेश दिया गया। नीलाम पत्र के मामले में जिला स्तरीय पदाधिकारियों से समीक्षा के दौरान नीलाम पत्र पदाधिकारियों को नियमित रूप से सप्ताह में तीन कोर्ट करने का निदेश दिया गया। नीलाम पत्र वादों में सबसे अधिक राशि वाले वादों में 20 वादों को चिन्हित करने का निदेश दिया गया। साथ ही सभी नीलाम पत्र वादों को डिजिटाइजेशन कराने का निदेश दिया गया। प्रभारी पदाधिकारी नीलाम पत्र पूर्वी चम्पारण को नीलाम पत्र वादों से संबंधित कर्मियों को प्रशिक्षण कराने का निदेश दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी के साथ मुकेश कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता, गणेश कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, निदेशक, डीआरडीए भूमि सुधार उप समाहर्ता, सदर एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

अनुमंडल पदाधिकारी, सिकरहना ने पीडीएस दुकानों का किया औचक निरीक्षण

वितरण को लेकर दिये कई निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के ढाका प्रखंड अंतर्गत फुलवरिया पंचायत के फुलवरिया एवं बरेवा ग्राम में जनवितरण प्रणाली दुकानों का अनुमंडल पदाधिकारी, सिकरहना,(ढ़ाका)निशा ग्रेवाल द्वारा औचक निरीक्षण किया गया।इस क्रम में पीडीएस परख एप्स के माध्यम लाभुकों से राशन वितरण के स्थिति की जानकारी ली गई। निरीक्षण के क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा सभी पीडीएस विक्रेताओं को संबद्ध लाभुकों को माह फरवरी-2025 का राशन वितरण करने तथा नियमित रूप से दुकानों का संचालन करने, प्रति माह ससमय राशन का वितरण करने, दुकान की पंजी, सूचना पट्ट और मूल्य सह भंडार प्रदर्शन पट्ट अद्यतन रखने, खाद्यान्न का रख रखाव सही तरीके से करने साथ ही अपने दुकान से संबद्ध लाभुकों का शत प्रतिशत ई केआईसी और आधार सीडिंग करने का सख़्त निर्देश देते हुए हरहाल में इसका अनुपालन सुनिश्चित करने की हिदायत दी।

घोड़ासहन नहर कैनाल सड़क पर नहर में पलटी बारात की गाड़ी

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के रक्सौल-घोड़ासहन नहर कैनाल सड़क पर नोनियाडीह के समीप गुरुवार अहले सुबह एक चार पहिया वाहन तीखे मोड़ पर फिसलकर नहर में जा गिरा। घने कोहरे और मोड़ का अंदाजा न लग पाने के कारण यह हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार गाड़ी में कुल 11 लोग सवार थे, जो सभी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। हालांकि कुछ को मामूली चोटें आई हैं। ड्राइवर सलाउद्दीन ने बताया कि यह गाड़ी घोड़ासहन थाना क्षेत्र के मंजुला गांव से रक्सौल बारात आई थी। लौटते समय सुबह करीब 4 बजे घना कोहरा और तीखे मोड़ के कारण वाहन अनियंत्रित होकर सीधे नहर में जा गिरा। हालांकि स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला।ग्रामीणो ने बताया कि नहर में पानी कम था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों के अनुसार नोनियाडीह के इस तीखे मोड़ पर आए दिन हादसे होते रहते हैं। पुल पर रेलिंग नहीं होने के कारण वाहन सीधे नहर में गिर जाते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से पुल पर रेलिंग लगाने और सड़क पर संकेतक बोर्ड लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

पुलिस से धक्का-मुक्की कर ग्रामीणों ने शराब कारोबारी को छुड़ाया

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के सुगौली थाना क्षेत्र के पंजीअरवा गांव में तीस लीटर शराब के साथ गिरफ्तार कारोबारी को ग्रामीणों ने पुलिस के साथ धक्का मुक्की कर जबरन छुड़ा लिया। इस घटना के बाद एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर गुरुवार को दरोगा अनुराग कुमार ने थाना में आवेदन देते हुए संजय पासवान, मोहित पासवान,सनोज पासवान, गुंजन पासवान, राजा कुमार पासवान व सुनिता देवी को नामजद व दस अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज कराई है। आवेदन में बताया है कि मिली सूचना के आधार पर छापेमारी कर पजीअरवा गांव निवासी संजय पासवान को तीस लीटर शराब के साथ हिरासत में लिया गया था। इसी बीच बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने पुलिस के साथ धक्का मुक्की कर उसे पुलिस गाड़ी से उतार लिया। इस मामले में चिह्नित नामजद सहित दस अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। यहां बताते चलें की पुलिस के साथ धक्का मुक्की करने के अलावे हाथापाई करने करने की भी चर्चा जोरों पर है। इस बाबत थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले में दरोगा अनुराग कुमार के लिखित आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस अग्रतर कार्रवाई में जुटी है। गई है।

पर्यवेक्षण गृह का किया गया संयुक्त निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

विधि विवादित किशोरों के आवासन स्थल पर्यवेक्षण गृह का गुरुवार को संयुक्त निरीक्षण जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिलाधिकारी के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस दौरान विधि विवादित किशोरों हेतु उपलब्ध करायी जाने वाली सभी सुविधाओं का जायजा लिया गया। संयुक्त निरीक्षण के दौरान गृह में उपलब्ध कराये जाने वाले भोजन के गुणवता इत्यादि के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। जिलाधिकारी के द्वारा शाम का नाश्ता चख कर गुणवत्ता की जांच की गई साथ ही सर्दियों के मौसम को देखते गृह के साफ-सफाई, कंबल, ऊनी वस्त्र इत्यादि पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश के द्वारा प्रधान दंडाधिकारी, किशोर न्याय परिषद को निदेश दिया गया कि मामलों को अविलंव निष्पादन करना सुनिश्चित किया जाए। उक्त के साथ ही संयुक्त रूप से आवासित किशोरों को जीवन में पूर्व की गलतियों को भूलाकर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। निरीक्षण के दौरान गृह में कुल 60 किशोर आवासित थे। इस अवसर पर सहायक निदेशक जिला बाल संरक्षण इकाई, प्रधान दंडाधिकारी, किशोर न्याय परिषद एवं अन्य पदाधिकारीगण एवं कर्मीगण उपस्थित रहे।

टाटा सफारी वाहन में रखे 43 किलो गांजा के साथ नेपाली तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

71वीं वाहिनी मोतिहारी द्वारा मिली सूचना के आधार पर एसएसबी जमुनिया 71वीं बटालियन व सीमावर्ती झरौखर थाना पुलिस द्वारा गुरुवार की सुबह संयुक्त कारवाई कर नेपाल की ओर से आ रहे टाटा सफारी में रखे 43 किलों गांजा के साथ नेपाली तस्कर को दबोच लिया। पकड़े गए तस्कर की पहचान सीमावर्ती नेपाल के रौतहट जिला अन्तर्गत मौलापुर थाना क्षेत्र के पिपरिया गांव निवासी सियाराम साह का पुत्र लक्ष्मी नारायण साह के रूप में किया गया। उक्त तस्कर को गुप्त सूचना के आधार पर झरौखर बॉर्डर स्थित चेक पोस्ट के निकट भारतीय पिलर संख्या 357/3 के निकट से गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष अभय कुमार सिंह ने बताया कि पूर्व से पुलिस एवं एसएसबी को गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाली तस्कर द्वारा भारतीय टाटा सफारी गाड़ी जिसका न.बीआर-01 पीबी- 0110 से गांजा की बड़ी खेप घोड़ासहन किसी को डिलीवरी करने आने वाली है। इसी पर संयुक्त रूप से त्वरित कारवाई करते पुलिस एवं एसएसबी के जवानों ने उसे वाहन के साथ पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तस्कर से आवश्यक पूछ-ताछ किया जा रहा है। बहरहाल तस्कर द्वारा कुछ नामों का खुलासा करने को लेकर पुलिस उसे चिंहित कर छापेमारी में जुटी है।

‘लव बड्र्स’ हो जाएं सावधान, वेलेंटाइन-डे का होगा विरोध

नीरज आनंद । बीएनएम।

14 फ़रवरी वेलेंटाइन दिवस के रूप मे पुरे यूरोपियन देशों में मनाया जाता रहा है। जिसमें लोग अपने-अपने प्रेम का इजहार प्रेमिका को फूल देकर करते है। भारत जैसे देशों में भी इस दिन प्रेमी-प्रेमिका बड़ी संख्या में शहर के पार्कों व होटलों में अपने प्रेम का इजहार करते नजर आते है। भारतीय समाज का एक तबका इस प्रचलन का भारी विरोध करता रहा है। बॉर्डर न्यूज़ मिरर ने शहर के हर वर्ग से उनकी प्रतिक्रिया लेने का प्रयास किया। लोगों ने मिली जुली प्रतिक्रिया दी और कहा भारतीय समाज के लिए यह अस्वीकार है।

वैलेंटाइन-डे पश्चिमी सभ्यता का घोतक है जो भारतवर्ष को कहीं ना कहीं प्रभावित कर रहा है। आज हम सत सनातन की बात कर रहे हैं। महाकुंभ में जो रेला लगा हुआ है सनातनियों की जो भीड़ देखने को मिल रही है यह है हमारा हिंदुत्व। यह है हमारी सनातन। सबसे बड़ी बात है कि जब बात प्रेम की आती है तो वह कोई दिवस कैसे हो सकता है। इस दिन हम कोई और दिवस मना सकते हैं। 14 फरवरी को जिस शिद्दत के साथ नव युवा पीढ़ी वैलेंटाइन डे मना रही है और जो लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं उस पर नियंत्रण करना जरूरी है।

डॉ. हेना चंद्रा, मोतिहारी।

वैलेंटाइन डे पर विभिन्न पार्कों में युवक-युवतियां, किशोर-किशोरियां व प्रेमी-प्रेमिकाएं जहां उत्सवी माहौल में एक-दूसरे को फूल व उपहार देकर अपने-अपने प्रेम का इजहार करते हैं वहीं सनातन संस्कृति प्रेमियों द्वारा इसका पुरजोर विरोध किया जा रहा है। वैलेंटाइन डे के समर्थकों के अनुसार वैलेंटाइन डे का विरोध करना प्रेमपूर्ण संबंधों के विरोध का परिचायक है। वहीं वैलेंटाइन डे के विरोधियों के अनुसार भारतीय सनातन संस्कृति में प्रेम का ऐसा उदाहरण कहीं उल्लिखित नहीं है। हमारी पवित्र सभ्यता में पाणिग्रहण संस्कारोपरांत एक संयमित व अनुशासित प्रेमपूर्ण संबंधों का उल्लेख मिलता है। पाश्चात्य सभ्यता से आयातित वैलेंटाइन डे हमारे पवित्र समाज व सनातन संस्कृति को निरंतर प्रदूषित करते हुए विभिन्न प्रकार की कुरीतियों को उत्पन्न कर रहा है। यह वैलेंटाइन डे हमारी सनातन संस्कृति के अनुकूल नहीं बल्कि सदा प्रतिकूल है।

प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा
प्राचार्य एलएनडी कॉलेज, मोतिहारी।

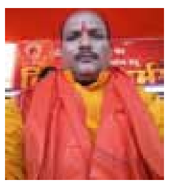

वैलेंटाइन डे अप संस्कृति डे है। इस दिन मातृ-पितृ दिवस मनाना चाहिए। हम प्रेम के विरोधी नहीं है। प्रेम के आड़ में 14 फरवरी को सप्ताह भर पार्कों व होटलों में जो अश्लीलता पडोसा जाता है हम इसके विरोधी है। राम-सिया के देश में अपसंस्कृति नहीं चलेगी।

अशोक श्रीवास्तव
अधिवक्ता विधि प्रकोष्ठ प्रमुख, विश्व हिन्दू परिषद बिहार-झारखंड।

वैलेंटाइन डे पश्चिमी सभ्यता की पहचान है जिसकी नकल करना हम सनातनियों के लिए घोर आश्चर्य का विषय है। हमें अपने मूल्यों को समझना चाहिए और इन सब विसंगतियों से दूर होना चाहिए, क्योंकि यह हमारी सभ्यता पर कुठाराघात है। हमें अपने आने वाली पीढ़ी के लिए एक स्वस्थ एवं सुन्दर समाज का निर्माण करना है तथा युवाओं को एक बेहतर भविष्य देना है।

संजय कुमार झा निदेशक सेन्ट आरसेटी
पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी।

वैलेंटाइन डे अंग्रेजी पश्चिमी सभ्यता का कलचर है। इसमें प्रेमी प्रेमिका दोनों एक-दूसरे से अपने प्रेम का इजहार करते हैं, परंतु इसका जो मुख्य उद्देश्य था उससे हम लोग भटक गए हैं। वैलेंटाइन डे पर जो अश्लीलता होती है वह नहीं होनी चाहिए नहीं तो यह वैलेंटाइन डे की जगह डेथ-डे हो जाएगा। वैलेंटाइन डे को सीमित सीमा के अंतर्गत जो इसका कलचर है उसके अनुकूल लोग इसको मनाएं तो अच्छी है, परंतु इसका जो दुरुपयोग हो रहा है अश्लील संस्कृति में जो इसका परिवर्तन हो रहा है उसको रोके जाना उचित है।

चक्रवर्ती सम्राट धर्म विभूषण आचार्य डॉ. शंभू नाथ सिकारिया,
पूर्व अध्यक्ष नगर परिषद, मोतिहारी।

हाफिज बने डेढ़ दर्जन से अधिक बच्चों की जलसे में हुई दस्तारबंदी

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के सुगौली स्थित मदरसा इस्लामिया जमा मस्जिद ट्रस्ट में गुरुवार को दीनी तब्लीगी इस्लाही इजलास ए आम और दस्तारबंदी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमे हाफिज ए कुरान बने करीब डेढ दर्जन से अधिक बच्चों की जलसे में दस्तारबंदी हुई, जिसमें अब्दुल करीम शाहजहां, नेमतुल्लाह मो.साकिम, मो.इरफान, लालबाबू, मो.सादिक आलम सदरेआलम, सरताज आलम, आजाद अहमद सहित अन्य बच्चे शामिल है। मदरसा के सेक्रेटरी मो. जिकरुल्लाह साहब,सदर अजीजुल्ला साहब, खजांची मो.आसिफ सहित सदारत मुफ्ती मो.जुनैद आलम नदवी कासमी, जेरे सरपरस्ती मौलाना कलीमुल्लाह समसी, जेरे नजामत मौलाना आसिफ एकबाल कासमी,जेरे खेताबत मौलाना जाहगीर कासमी, उस्ताद कारी जियाउल्लाह साहब, हाफिज अली ही इमाम साहब, हाफिज सोहराब आलम साहब की मौजूदगी में बच्चों के सिर पर पगडी बांधी गई। इस दौरान हाफिज-ए कुरआन बच्चों को बुर्जुगों व उलेमाओं द्वारा उपहार देकर सम्मानित किया गया। सदारत मुफ्ती मो.जावेद आलम नदवी कासमी ने तकरीर की और कहा कि बच्चों को दीन के साथ दुनियावी तालीम भी दिलाए। शिक्षित समाज ही तरक्की करता है। आज सबसे बड़ी जरूरत तालीम को आम किए जाने की है। हर बच्चे को तालीम एवं तहजीब के जेवर से सजाया जाए। उन्होंने कहा कि मुआशरे में फैली खुराफात एवं बिदआत से बचने की तलकीन की जरूरत है। खासतौर पर शादी-ब्याह के मौके पर जो इंसानियत सोज हरकतें हो रही हैं जैसे वीडियोग्राफी, बारात का चढ़ाना, खड़े होकर खाना खिलाना, औरत-मर्द का एक साथ प्रोग्राम कराना, नाच-गाना बजाना, दिखावे के लिए अपनी हैसियत से बढ़कर खर्च करना,लड़कियों से स्वागत कराना अथवा खाना खिलवाना यब सब गैर इस्लामी है। इन तमाम रस्मों से होने वाले गुनाह से बचने की अपील की।

एलएनडी कॉलेज के राजनीति विज्ञान के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र कुमार शर्मा का निधन

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज के राजनीति विज्ञान के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) वीरेंद्र कुमार शर्मा ने विगत 11 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया में अंतिम सांस ली। उन्होंने अपने पीछे पत्नी, पुत्र, पुत्रवधू, बेटी और दामाद को छोड़ गए हैं। प्रो. शर्मा का पूरा परिवार आस्ट्रेलिया में रहता है और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। प्रो. वीरेंद्र कुमार शर्मा के निधन के उपरांत एलएनडी कॉलेज में एक शोक सभा आयोजित की गई जिसमें प्राचार्य प्रो. राजेश कुमार सिन्हा के साथ साथ सभी प्राध्यापकों, कर्मियों ने शोक व्यक्त करने के उपरांत कॉलेज में कार्य को स्थगित कर दिया गया। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि प्रो. वीरेंद्र बाबू राजनीति विज्ञान के विद्वान प्रोफेसर थे। उनके IQAC कॉर्डिनेटर रहते हुए महाविद्यालय ने नैक प्रथम चरण में बेहतर प्रदर्शन किया था। प्रो. शर्मा महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य प्रो. गौकर्ण शर्मा के छोटे भाई थे। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि प्रो. शर्मा जैसा स्पष्टवादी, निर्भीक और अनुशासनप्रिय प्राध्यापक अब शायद नहीं मिलेंगे।महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि प्रो. वीरेंद्र बाबू हमारे गुरु के साथ-साथ मेरे पड़ोसी भी थे। वे काफी सरल, सहज और अनुशासन प्रिय प्राध्यापक थे। उन्होंने एक ज्ञान सिंधु नामक सफलतम विद्यालय का संचालन भी श्री कृष्ण नगर में किया था। जिसके माध्यम से उन्होंने चंपारण के शिक्षा जगत को काफी समृद्ध किया। इनके विद्यालय से अध्ययन कर सैकड़ों छात्र-छात्राएं चिकित्सक, प्रशासनिक अधिकारी सहित अनेक रूप में देश की सेवा कर रहें हैं। मौके पर डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य, प्रो. दुर्गेश मणि तिवारी, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. कुमार राकेश रंजन, प्रो. राकेश रंजन कुमार, डॉ. जौवाद हुसैन, प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. मनीषा कुमारी, डॉ. कविता कुमारी, डॉ. अनिता कुमारी, डॉ. के के सिन्हा, डॉ. प्रियरंजन झा, राजीव कुमार, कामेश भूषण, डॉ. भुवनेश्वर सिंह, संजीव किशोर, अमित कुमार, मणिभूषण, अखिलेश कुमार, आलोक पांडेय, आशुतोष कुमार सहित सभी महाविद्यालय कर्मियों ने शोक व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

बाइक के डिक्की तोड़कर नगद सहित अन्य कागजात की चोरी

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के गायघाट बाजार में गुरुवार की देर शाम एक महिला अपने पिता के साथ स्टेट बैंक तुरकौलिया से 45 हजार नगद निकालकर बाइक से गायघाट बाजार में समान खरीदने के लिए गाड़ी खड़ी किए, तब तक अज्ञात चोरों ने बाइक की डिक्की तोड़कर नगद 45 हजार रुपया सहित पासबुक, चेक बुक, पैन कार्ड, आधार कार्ड एवं अन्य कागजात चुरा लिया, जैसे ही सामान खरीद कर पीड़ित महिला अपने बाइक तक आई तो बाइक की डिक्की टूटा हुआ था, जिस पर वह जोर-जोर से चिल्लाने लगी। महिला की चीख पुकार से अन्य लोग आए देखे तो रुपया नहीं था। महिला तुरकौलिया थाना क्षेत्र के बहुरूपिया निवासी अमरदेव राम की बेटी बताई जाती है। वही पीड़ित महिला ने बताई की उनके पति भारतीय सेना में कार्यरत है घर में शादी विवाह के लिए सामान खरीदने के लिए पैसा निकालने अपने पिता के साथ बाइक से तुरकौलिया गई थी। खबर लिखे जाने तक सूचना पाकर मौके पर पहुंची 112 पुलिस की गाड़ी मामले की तहकीकात करने में जुटी गई है।

मारपीट में घायल की मौत

शव को पुलिस भेजा पोस्टमार्टम में

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के मटियरिया गांव में भूमि विवाद में दो पक्षों के बीच बुधवार को मारपीट हुई, जिसमे पड़ोसी बीच बचाव करने गए जिसमे वे जख्मी हो गए। परिजन ने घायल अवस्था में हॉस्पिटल ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक शिवनाथ यादव के पुत्र मनीष यादव 50वर्ष बताया गया है। मृतक के पुत्र ने बताया कि मेरे पट्टीदार मिठाई यादव और उनके भाई के बीच जमीन को लेकर विवाद हो रहा था, जिसको सुलझाने के लिए मेरे पापा को बुलाया गया, मेरे पापा दोनों भाई को समझाने लगे और बोले कि आप लोग मारपीट नहीं करे, बैठकर बात चित कर समाधान किया जाएगा। परन्तु दोनों भाई नहीं माने और मारपीट शुरू हो गई जिसमें मेरे पापा को सीने ओर माथे पर चोट आई। वे वही गिर गए। इलाज के लिए तुरकौलिया ले गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सगा सम्बन्धी की दबाव आने लगा की आप केस नहीं करे हम लोग इसका निदान कर देगे। परंतु मेरे पट्टीदार नहीं माने तो गुरुवार को स्थानीय थाना में आवेदन दिया। पुलिस कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम हेतु मोतिहारी भेजा दिया। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो चुका है प्राथमिकी दर्ज किया जाएगा। पोस्टमार्टम के रिपोर्ट आने पर पता चलेगा कि मारपीट से मौत हुई है या अन्य कारणों से मौत हुई है।

छापेमारी में तीन लोग गिरफ्तार, शराब बरामद

बीएनएम। अरेराज। अनुमंडल क्षेत्र के मलाही थाना प्रभारी करण सिंह और एन्टी लिकर टास्क फोर्स के प्रभारी विवेक कुमार ने मिलकर एक सफल छापेमारी की। छापेमारी में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से बड़ी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई है। गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम सूरज तिवारी, शैलेन्द्र कुमार और जयपाल सहनी हैं। पुलिस ने बताया कि इन लोगों के पास से दो वाहनों में लदी हुई शराब बरामद हुई है। पहले वाहन में 84 पीस 180 एमएल की हरी बोतलें और दूसरे वाहन में 144 पीस 180 एमएल की टेट्रा पैक शराब बरामद हुई है। कुल मिलाकर 41 लीटर 40 एमएल शराब बरामद हुई है। पुलिस ने बताया कि यह शराब अवैध रूप से उत्तर प्रदेश से बिहार बेचने के लिए ले जाई जा रही थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्रीमियम टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में छपरा की टीम विजयी

बीएनएम। सुगौली पू०च०। प्रखंड के आदर्श उच्च विद्यालय में आयोजित प्रीमियम टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रियरंजन मिश्र ने किया।जिसके बाद अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय पात्र किया। सिवान क्रिकेट क्लब बनाम छपरा क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया।जिसमें छपरा की टीम विजयी रही। छपरा की टीम टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सिवान की टीम ने 197रन बनाई।जिसके

जबाब में उतरी छपरा की टीम सात विकेट खोकर विजयी रन बनाई। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार गप्पू मिश्र ने सोनू प्रवीण को दिया गया,जिसने 62 रन बनाया और तीन विकेट झटके। मैच में एम्पायर विजय कुशवाहा व मनोज कुमार,स्कोरर सलौदीन , कमेंटेटर प्रमोद मिश्र,यश कुमार,विकेश रंजन मिश्र थे। मौके पर व्यवस्थापक मुखिया अवधेश कुशवाहा,असदेव राम,अध्यक्ष रामाश्रय महतो,सचिव पैक्सध्यक्ष संजीव शर्मा,कोषाध्यक्ष संतोष जयसवाल,संदीप मिश्र,प्रदीप कुमार सहित कई मौजूद थे।

जनसंवाद अभियान के तहत ग्रामीणों के साथ की गई बैठक

बीएनएम। सुगौली पू०च०। जन सुराज पार्टी के जनसंवाद अभियान के तहत आज माली पंचायत में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसका नेतृत्व अजय झा ने किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया और अपनी समस्याओं को खुलकर साझा किया। जनसंवाद के दौरान बाढ़ की समस्या सबसे गंभीर मुद्दा बनकर सामने आई। अजय झा ने आश्वासन दिया कि यदि क्षेत्र की जनता और पार्टी उन्हें चुनाव लड़ने का अवसर देती है और वे विजयी होते हैं, तो उनकी पहली प्राथमिकता इस क्षेत्र को बाढ़ की समस्या से मुक्ति दिलाना होगी। साथ ही, उन्होंने कहा कि नदी के कटाव को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे, ताकि लोगों की भूमि और आजीविका सुरक्षित रह सके और उन्हें विस्थापित होने का दंश न झेलना पड़े। इस अवसर पर युवा नेता अनीश शुक्ला, अभिषेक पांडेय और प्रशांत मिश्रा भी उपस्थित रहे। सभी ने क्षेत्र के विकास और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता जतायी।

प्रशासनिक सख्ती से जनहित को प्राथमिकता, डीएम ने कहा- गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं

बीएनएम। ठकराहा

गुरुवार को जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने ठकराहा प्रखंड में प्रशासनिक कार्यों की गहन समीक्षा की। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रखंड सह अंचल कार्यालय, आईसीडीएस, कृषि विभाग सहित अन्य विभागों की कार्यप्रगति का जायजा लिया। डीएम ने कहा कि प्रशासन और जनता के बीच मजबूत समन्वय बेहद आवश्यक है, ताकि योजनाओं का सुचारू रूप से क्रियान्वयन हो सके।निरीक्षण के दौरान डीएम ने प्रखंड और अंचल कार्यालय में चल रहे कार्यों को संतोषजनक पाया, लेकिन साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता की समस्याओं के समाधान में कोई कोताही न बरती जाए। उन्होंने बीडीओ और सीओ को स्पष्ट निर्देश दिया कि सरकारी योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करें और पात्र लाभुकों तक उनका हक पहुंचाना सुनिश्चित करें। पंस की बैठक स्थगित होने के बाद एक जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी के बीच विवाद की खबर पर डीएम ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने दो टूक कहा कि "ब्लॉक किसी की गुंडागर्दी से नहीं चलेगा, बल्कि कानून और प्रशासनिक व्यवस्था के तहत ही कार्य होगा। किसी भी प्रकार की दादागिरी या अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।"डीएम ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र लाभुकों की पहचान के लिए जारी सर्वेक्षण कार्य की समीक्षा की। उन्होंने बीडीओ को सख्त निर्देश दिया कि "कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहे और सर्वेक्षण कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ समय पर पूरा किया जाए।"निरीक्षण के दौरान जिला कृषि पदाधिकारी प्रवीण कुमार ने डीएम को कृषि विभाग से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान प्रखंड की कृषि भूमि पर अवैध रूप से उगाई गई 8 एकड़ गन्ने की फसल को प्रशासन ने जब्त किया। डीएम ने स्पष्ट किया कि "सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होगी।"निरीक्षण के दौरान कई अधिकारी रहे मौजूद निरीक्षण के दौरान एसडीएम गौरव कुमार, एडीएम (विभागीय जांच) कुमार रबिन्द्र, जिला कृषि पदाधिकारी प्रवीण कुमार, बीडीओ शांभवी श्रीवास्तव, सीओ सुमित राज और बीपीआरओ अविनाश सिंह भी मौजूद रहे।डीएम ने दोहराया कि प्रशासनिक कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुशासनहीनता सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान और योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करने के निर्देश दिए।

वार्ड 14 और 21 में विकास को गति देने में जनता करे सहयोग- गरिमा

वार्ड 14 की नगर पार्षद की मृत्यु व 21 के पार्षद के महीनों से है लापता

बीएनएम। बेतिया

महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि संपूर्ण नगर निगम क्षेत्र का चौतरफा विकास मेरे सामाजिक और राजनीतिक जीवन का सर्वोपरि लक्ष्य है।इस दिशा में मैं लगातार सजग और सक्रिय हूं।लेकिन बीते दिनों वार्ड 14 की नगर पार्षद सुनैना देवी की मृत्यु हो जाने और वर्ष 21 के माननीय नगर पार्षद कृष्णा कुमार के लापता हो जाने से उक्त दोनों वार्डों में बीते कई महीनों से जरूरी विकास योजनाओं का चयन नहीं हो पा रहा है।महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि बिहार नगर पालिका अधिनियम 2007 में संधारित विहित प्रावधान के तहत दोनों वार्डों में विकास कार्यों को जारी रखना और गति देना महापौर अर्थात मेरी विशेष जिम्मेदारी है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने समाचार पत्रों के लिए विज्ञप्ति जारी कर के कहा है कि मेरी यह पहल से उक्त दोनों वार्डों में भी विकास कार्य और योजनाएं जारी रहें। महापौर ने कहा कि ऐसे में उक्त क्षेत्र के आम और खास जनता जनार्दन से मेरी विनम्र प्रार्थना है कि आप सब सामूहिक आवेदन के माध्यम से नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 14 और 21 के लिए जरूरी विकास कार्यों की लिखित जानकारी या मांग मेरे तक पहुंचाने की मदद करते हुए अपने अपने वार्ड क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दें।

सेमीफाइनल में रॉक स्टार केसरिया की टीम विजयी

बीएनएम। केसरिया

प्रखण्ड क्षेत्र के जगीराहाँ स्थित उच्च विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित अमीचंद यादव टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल मैच गुरुवार को रॉक स्टार केसरिया बनाम साहेबगंज राजवाड़ा के बीच खेला गया। जहाँ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजवाड़ा की टीम ने 117 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में उतरी रॉक स्टार केसरिया की टीम ने नौ ओवर में हीं लक्ष्य हासिल कर छः विकेट से मैच अपने नाम किया। इससे पहले सेमीफाइनल मैच का उद्घाटन राजद व्यावसायिक प्रकोष्ठ के जिला महासचिव विनोद गुप्ता ने किया। बता दें कि 15 फरवरी को इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच रॉक स्टार केसरिया बनाम साहेबगंज अहियापुर के बीच खेला जाएगा। मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष राजन यादव, मनीष यादव, नीरज यादव, पंकज यादव, विक्की यादव सहित अन्य मौजूद थे।

बैरिया प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समक्ष भाकपा माले का अनिश्चय कालीन धरना प्रदर्शन शुरू

बीएनएम। बेतिया

बैरिया प्रखंड व अंचल कर्मियों के भ्रष्टाचार के विरुद्ध गुरूवार के सुबह 11 बजे से अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन शुरू हुआ। भाकपा-माले के नेतृत्व मे सैकड़ो लोगों ने भाग लेकर गुस्से का इजहार किया तथा कहा जनता के साथ लुट पर चुप नहीं बैठेंगे, परिणाम चाहे जो भी हो, उक्त बाते भाकपा माले जिला कमेटी सदस्य सुनील कुमार राव ने कहा। मुखिया महासंघ बैरिया के अध्यक्ष और भाकपा-माले नेता नवीन मुखिया ने कहा बैरिया में प्रखंड, अंचल, मनरेगा, बिजली, आंगनबाड़ी, लेबर इंस्पेक्टर, सप्लाई, इफको, बिजली, एफसीआई के गोदाम प्रबंधक, आंगन बड़ी कार्यालय व कृषि कार्यालय आदि कार्यालय के अधिकारियों, कर्मियों के भरष्टाचार, मनमानी व जनता को लूटने के विरुद्ध अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा की जब तक जनता की समस्याओं का निजात नही मिल जाती तब तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। माले नेता सुरेंद्र चौधरी ने कहा नीतीश सरकार भ्रष्टाचारियों की सरकार में तब्दील हो गई है। इस सरकार के अधिकारी बेलगाम हो गये है ऐसे में संघर्ष के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। इसलिए भारी तादाद मे लोग प्रदर्शन मे भाग लिए है। प्रदर्शन के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी के कक्ष मे प्रतिनिधि मंडल से वार्ता जिसमें एक माह मे समस्याओं के समाधान के आश्वासन के बाद समाप्त हुआ। कार्यक्रम मे माले नेताओ जोखू चौधरी, ठाकुर साह, मोजम्मिल हुसैन, मंगल चौधरी, कैलाश चौधरी, हेमंत साह , राज किशोर पटेल, बिनोद कुशवाहा, सुरेंद्र साह, अशोक प्रसाद,आशा राम आदि ने अपनी अपनी बात रखा।

नहर से अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

बीएनएम। बेतिया

सिरिसिया थाना अंतर्गत सेमरा परसा गांव के पास गुरुवार की दोपहर मे ग्रामीणों द्वारा नहर मे एक शव को तैरते देखा इसके बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। इसके बाद सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को नहर से निकलकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सूचना के बाद मौके पर एसपी डॉ शौर्य सुमन ने पहुंचकर निरीक्षण किया। जांच के लिए FSL और डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया गया है। सिरिसिया थानाध्यक्ष रविकांत कुमार के अनुसार शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। पुलिस फिलहाल मृतक की पहचान और मौत के कारणों की जांच में जुटी हुई है। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

सैकड़ो लोगो ने ली राजद की सदस्यता

बीएनएम। हरसिद्धि

हरसिद्धि विधानसभा के पूर्व राजद प्रत्याशी नागेंद्र राम उर्फ कुमार नागेन्द्र बिहारी ने पानापुर रंजिता पंचायत के विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर, सैकड़ो लोगो को पार्टी का सदस्यता दिलाया, साथ साथ तेजस्वी यादव के महत्वाकांक्षी योजना, राजद के सरकार बनने पर माई बहिन मान योजना के तहत प्रत्येक महीना पच्चीस सौ रुपए, विधवा पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, विकलांग पेंशन योजना, गैस में सब्सिडी बेरोजगारी दूर करना इत्यादि योजनाओं को पैमाने पर लोगों के बीच प्रचार- प्रसार किया गया। इस मौके पर काफी संख्या में लोगों ने राजद की सदस्यता ग्रहण की।

चरस और 2 मोटरसाइकिल के साथ तीन गिरफ्तार

बीएनएम। बेतिया

जिले मे लगातार चलाये जा रहे वाहन जाँच के दौरान बुधवार को विशुनपुरवा मंदिर के पास पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने तस्करों से 1.85 किलो चरस के साथ 3 युवकों को गिरफ्तार किया है उनके पास जो दो बाइक मिली है वह भी चोरी की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चरस का मूल्य लगभग 20 लाख रुपया है। अनुमंडल पुलिस उपाधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष वाहन जांच किया जा रहा था।जहां एनएच 727 के लौरिया बगहा मार्ग में स्थित विशुनपुरवा मंदिर के सामने बगहा की ओर से दो बाइक पर तीन युवक लौरिया की ओर आ रहे थे। पुलिस को देखते ही वापस बाइक घुमाकर भागने की कोशिश किए इसी बीच थानाध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा को शक हुआ और उन्होंने दारोगा अनुज कुमार सिंह, सुधीर कुमार, ज्वाला कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस बल के साथ बाइक का पीछा कर उन्हें दबोचा। जांच क्रम में उनके बाइक का कोई कागजात नहीं मिला। दो युवकों के पीठ पर बैग लटका हुआ था। बैग चेक करने पर दोनों बैगों में से 4 पैकेट चरस बरामद हुआ। जिसका वजन 1.85 किलो है। इनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर न्यायालय भेजा जा रहा है। पुलिस उपाधीक्षक श्री सिंह ने बताया कि इनकी दोनों बाइक को जप्त कर लिया गया है। प्रथम दृष्टया दोनों बाइक चोरी का प्रतीत हो रहा है। गिरफ्तार युवकों की पहचान कटिहार जिला के कोढा निवासी निगम कुमार उर्फ नमन कुमार, छोटू कुमार उर्फ दीपक कुमार और मन्नू कुमार के रूप में हुई है।

दिल्ली जीतकर भाजपा ने दिखाई धमक

रमेश सर्राफ धमोरा

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल कर अपनी धमक दिखायी है। 1998 में भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव हार गई थी। उसके बाद इस बार के चुनाव में भाजपा जीत कर अपनी सरकार बनाने वाली है। लगातार छह बार विधानसभा चुनाव हारने से भाजपा के लिए इस बार के दिल्ली विधानसभा के चुनाव बड़ी प्रतिष्ठा के सवाल बने हुए थे। इसीलिए भाजपा नेदिल्ली विधानसभा के चुनाव में जीत हासिल करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया। इस बार भाजपा ने दिल्ली में मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया सहित आम आदमी पार्टी के कई दिग्गज नेताओं को हराकर अपनी पुरानी हार का बदला ले लिया है। पिछले लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने करीब 30 विपक्षी दलों को साथ लेकर भाजपा के खिलाफ मजबूत इंडी गठबंधन बनाया था। जिसमें शामिल सभी विपक्षी दलों ने ज्यादातर सीटों पर एक साथ मिलकर चुनाव लड़कर भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी। लोकसभा चुनाव में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन को 293 लोकसभा सीटें मिली। वहीं इंडी गठबंधन ने 236 सीटें जीती। कांग्रेस 53 सीटों से बढ़कर 99 सीटों पर पहुंच गई। इसी तरह समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में 5 सीटों से बढ़ कर 37 सीटों पर पहुंच गई। लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को पूरा भरोसा था कि उनकी पार्टी की सरकार बनेगी। इसलिए कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव से इतर विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी से समझौता नहीं कर अकेले चुनाव मैदान में उतरी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 48 सीटें जीत कर कांग्रेस को करारी शिकस्त दी। हरियाणा में जीत से देशभर में भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं का मनोबल भी बढ़ा। भाजपा ने हरियाणा में जहां लगातार तीसरी बार सरकार बनायी, अब तक की सबसे अधिक 48 सीटें जीत कर यह दिखा दिया कि लोकसभा चुनाव में पार्टी को उम्मीदों से कहीं कम सीटें मिलने से कार्यकर्ता निराश नहीं हैं। उसके बाद महाराष्ट्र व झारखंड विधानसभा के चुनाव संपन्न हुए। महाराष्ट्र में भाजपा ने अब तक की सबसे अधिक सीटें जीतकर नया रिकॉर्ड बनाया। झारखंड में भाजपा चुनाव हार गई मगर महाराष्ट्र में भाजपा की बड़ी जीत ने झारखंड की हार दब कर रह गई। महाराष्ट्र में भाजपा ने अकेले 132 सीटें जीती जो अब तक की सबसे अधिक थी। वहीं, भाजपा के सहयोगी शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भी करीब 100 सीटें जीतकर महाराष्ट्र में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद चंद्र पवार व शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे को मात्र 46 सीटों पर समेट दिया। हरियाणा व महाराष्ट्र चुनाव भाजपा के लिए नई संजीवनी साबित हुए। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा गठबंधन महाराष्ट्र में महज 17 सीटें ही जीत पाया था। मगर विधानसभा चुनाव में मिली बंपर जीत ने लोकसभा चुनाव की हार को भुला दिया। हाल ही में दिल्ली विधानसभा के चुनाव में भी भाजपा ने पहली बार 48 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया। दिल्ली विधानसभा में भाजपा पिछले 26 वर्षों से सत्ता से बाहर थी। दिल्ली में 1998, 2003 व 2008 में लगातार तीन बार कांग्रेस की सरकार बनी थी। वहीं, 2013, 2015 व 2020 में लगातार तीन बार आम आदमी पार्टी की सरकार बनी थी। 2015 में महज 3 सीट व 2020 में मात्र 8 सीट जीतने वाली भाजपा ने इस बार 48 सीट जीतकर अपनी ताकत का अहसास करवाया है। हालांकि 2014, 2019 व 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा दिल्ली की सभी 7 सीटें जीतकर हैट्रिक बना चुकी है। मगर विधानसभा चुनाव में लगातार 6 बार सत्ता से बाहर रहने के कारण भाजपा इस बार हर हाल में दिल्ली में सरकार बनाना चाहती थी। इसके लिए भाजपा के सभी नेता व कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। यदि भाजपा इस बार भी दिल्ली में चुनाव हार जाती तो आगे आने वाले बिहार, असम विधानसभा के चुनाव में उसे नुकसान उठाना पड़ सकता था। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को 48 सीटों के साथ 45.56 प्रतिशत वोट हासिल किए। दिल्ली में यह भाजपा का अब तक का सर्वोच्च चुनावी आंकड़ा है। पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में जहां भाजपा की 40 सीट बढ़ गई हैं, वहीं उसका वोट प्रतिशत भी 7.38 प्रतिशत बढ़ा है। भाजपा को कुल 46 लाख 23 हजार 110 वोट मिले हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी महज 22 सीटों पर सिमट गई। उसे 43.57 प्रतिशत मत मिले हैं। जो पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में 10 प्रतिशत कम हैं। आम आदमी पार्टी को 41 लाख 33 हजार 898 वोट मिले हैं। इस बार दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के लिए भाजपा ने चुनावों के दौरान आम आदमी पार्टी की आपदा पार्टी वाली छवि बना दी थी। पार्टी के बड़े नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया

सत्येंद्र जैन, संजय सिंह को भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाने को भाजपा ने बड़ा मुद्दा बना कर दिल्ली की जनता को आम आदमी पार्टी की वास्तविकता से रूबरू करवाया। इसके साथ ही अरविंद केजरीवाल द्वारा मुख्यमंत्री आवास में करवाए गए कार्यों को भाजपा ने शीशमहल कहकर प्रचारित किया। जिससे दिल्ली के आम मतदाताओं को लगने लगा कि जिस पार्टी को वह अपनी हमदर्द पार्टी मानकर लगातार तीन बार से चुनाव जीतवा रहा है, उस पार्टी के नेता भी अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं की तरह भ्रष्टाचार करने लगे हैं। मतदाताओं की यह सोच आम आदमी पार्टी के खिलाफ गई और उसे चुनाव में करारी पराजय झेलनी पड़ी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार मतदाताओं ने दलबदलुओं को भी उनकी औकात दिखा दी। 24 दलबदलू नेता भाजपा, आप व कांग्रेस पार्टी से टिकट प्राप्त कर चुनाव मैदान में उतरे थे। जिनमें 9 नेता ही चुनाव जीत सके। बाकी 15 प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा। दलबदलुओं में 6 भाजपा के चुनाव चिह्न व 3 आप के चुनाव चिह्न पर जीते। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल के मुकाबले भाजपा ने किसी स्थानीय नेता की बजाय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि पर चुनाव लड़ा और जीता। दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के बाद भाजपा कार्यकर्ता उत्साह से लबरेज हैं। चुनाव नतीजे के बाद भाजपा ने राजस्थान में कैबिनेट मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा व हरियाणा में कैबिनेट मंत्री अनिल विज को उनके पार्टी विरोधी बयानों पर कारण बताओ नोटिस जारी कर यह जता दिया कि भाजपा में अनुशासन की लक्ष्मण रेखा पार करने का किसी को भी अधिकार नहीं है। चाहे वह कितना ही बड़ा नेता क्यों ना हो। यदि कोई पार्टी का अनुशासन तोड़ेगा तो उसके खिलाफ कार्यवाही होगी। कई राज्यों के विधानसभा चुनाव में लगातार जीतने से जहां भाजपा नेताओं का मनोबल बढ़ा हुआ है। वहीं, इंडी गठबंधन में आपसी आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। यदि विपक्षी दलों में खींचतान बढ़ती है तो आगे आने वाले विधानसभा चुनावों में उसका फायदा भी भाजपा को ही मिलना सुनिश्चित लग रहा है।

रहस्यमय बीमारी से मौतें

दिल्ली एम्स के विशेषज्ञों के दल ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी में रहस्यमय बीमारी की चपेट में आए 11 मरीजों से मुलाकात की। वे बधाल गांव भी गए, जहां इस बीमारी के कारण मौतें हुई हैं तथा उस इलाके का दौरा कर सील किए गए घरों व आस-पास के इलाकों का नमूने एकत्र किए, जिनकी जांच की जाएगी। विशेषज्ञों के दल ने उन मरीजों की भी जांच की जो निगरानी में हैं। जैसा कि बधाल गांव में तीन परिवारों के सत्रह लोगों की अज्ञात कारणों से अचानक हुई मौत को लेकर यह मामला सामने आते ही 87 परिवारों के 364 व्यक्तियों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। शेष 808 परिवारों के 3700 लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गांव को चौदह समूहों में विभाजित किया। मृतकों के नमूनों में न्यूरोटॉक्सिन पाए जाने के एसआईटी का गठन किया गया था। जो आपराधिक पहलू की भी जांच कर रहा है। लखनऊ की विष विज्ञान प्रयोगशाला में हुई शुरुआती जांच में मौत के कारणों में कोई संक्रमण, वायरस या बैक्टीरिया नहीं है। बल्कि कोई विषाक्त पदार्थ बताया गया। भर्ती मरीजों के इलाज के लिए भी विषरोधी औषधियों का ही प्रयोग किया जा रहा है। हालांकि बीते दस दिनों से कोई नया मामला न आने पर राहत की सांस ली जा रही है। कोविड-19 संक्रमण की दहशत के कारण अचानक हुई इन मौतों को लेकर आमजन का भयभीत होना लाजमी है। उस पर भी मरने वालों को बुखार, गले में दर्द, उल्टी या डायरिया जैसी दिक्कतें होने के चलते सभी दहशत से भर गए। चिकित्सकों द्वारा यह पहले ही स्पष्ट कर दिया गया था कि यह कोई संक्रमण नहीं है, न ही यह महामारी में तब्दील होने की आशंका है। उनका अनुमान था कि यह वायरल, बैक्टीरिया, प्रोटोजोल या जूनोटिक संक्रमण हो सकता है या नर्वस सिस्टम को प्रभावित करने वाली किसी चीज की भी आशंका व्यक्त की गई है। मगर इलाके के इर्द-गिर्द व प्रशासन ने फौरी तौर पर एहतियातन चुस्ती से काम लिया। उन्हें खाने-पीने की चीजें मुहैया कराई और सार्वजनिक तौर पर मिलने-जुलने पर भी रोक लगाई। अपने यहां अफवाह के कारण भय फैलाने वाली मानसिकता भी है। दूसरे, पड़ोसी मुल्क द्वारा शरारत से भी इनकार नहीं किया जा सकता। जिस तेजी से हालात को संभालने का प्रयास जारी है, वह जल्द ही हकीकत से पर्दा उठाने में सफल हो सकता है।

सूडोकु नवताल- 7341

★★★★☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7340 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

बैल खेती-किसानी की अमूल्य धरोहर

भारत डोगरा

प्राकृतिक खेती को बेहतर गुणवत्ता के खाद्यों के उत्पादन और पर्यावरण की दृष्टि से बहुत उपयोगी माना जा रहा है, और इस आधार पर ही इसके अधिक प्रसार की चर्चा है। इसके साथ-साथ प्राकृतिक खेती से एक अन्य महत्त्वपूर्ण लाभ यह भी प्राप्त हो सकता है कि इससे गोवंश की रक्षा की नई और अधिक संभावनाएं उत्पन्न होती हैं। प्राकृतिक खेती में खाद के रूप में सबसे अधिक उपयोग गोवंश के गोबर और मूत्र का होता है, विशेषकर गाय के गोबर और मूत्र का। इसके अतिरिक्त फसलों की हानिकारक कीड़ों आदि से रक्षा के लिए भी इस गोबर और मूत्र को अत्यधिक उपयोगी माना गया है। इस महत्त्व को स्वीकार करते हुए अब अनेक गांवों में ऐसे प्राकृतिक कृषि केंद्र भी स्थापित किए जा रहे हैं, जहां गोवंश के गोबर और मूत्र का ही अधिक उपयोग करते हुए खाद और हानिकारक कीड़ों आदि से रक्षा की दवा बनाई जा रही हैं। जैसे-जैसे इसका प्रसार बढ़ेगा, वैसे-वैसे गांववासियों को लगेगा कि गाय यदि दूध देने की स्थिति में नहीं है तो भी उसके गोबर और मूत्र का भी बहुत उपयोग है। इस स्थिति में यह संभावना बढ़ेगी कि गोवंश की रक्षा अधिक बड़े पैमाने पर और अधिक निष्ठा के साथ की जाए। यदि गोवंश के गोबर और मूत्र पर आधारित खाद और दवा अधिकांश किसानों को पर्याप्त मात्रा में मिल जाए तो इससे प्राकृतिक खेती का प्रसार कहीं अधिक हो सकेगा, अच्छी गुणवत्ता के स्वास्थ्य के अनुकूल खाद्य बड़ी मात्रा में उपलब्ध हो सकेंगे और साथ में गोवंश की अधिक रक्षा हो सकेगी, उनके लिए गोशालाएं वहीं बड़ी संख्या में स्थापित हो सकेंगी और उन्हें आवारा और बेसहारा घूमने के लिए नहीं छोड़ा जाएगा। आज देश में गोशालाएं चल तो रही हैं पर प्रायः उनकी स्थिति ठीक नहीं है। उन्हें ठीक बजट उपलब्ध हो भी जाए तो अनेक स्थानों पर भ्रष्टाचार के कारण कठिनाइयां आ जाती हैं और गोशाला में रखे पशुओं को ठीक से पोषण नहीं मिल पाता है। कभी-कभी तो यहां रखे गए पशुओं को बहुत कष्ट सहना पड़ता है। दूसरी ओर, जब गोबर और गोमूत्र का सही उपयोग होगा, वैज्ञानिक ढंग से इसका संग्रहण और सदुपयोग होगा, तो गोशालाओं को इस तरह आय भी प्राप्त हो सकेगी और विभिन्न कुटीर उद्योग भी यहां पनप सकते हैं। इस सब नियोजन में एक विशेष बात का ध्यान रखना है-बैल की रक्षा की जिम्मेदारी को भी समझना है। प्रायः गाय की रक्षा की जिम्मेदारी को समझा जाता है, और गाय के दूध के अधिक स्वास्थ्यवर्धक होने को तो अब बहुत से लोग अधिक मान्यता देने लगे हैं। दूसरी ओर, बैलों की रक्षा की जिम्मेदारी को अभी तक बहुत से लोग स्वीकार नहीं कर रहे हैं। अब इसे रेखांकित कर कहना चाहिए कि गोवंश की रक्षा की जिम्मेदारी तब तक पूरी नहीं हो पाएगी जब तक हम गायों के साथ बैलों की भी जिम्मेदारी को नहीं समझते हैं, और उन्हें नहीं संभालते हैं। बैल खेती-किसानी की अमूल्य धरोहर है। सैकड़ों वर्षो से वे भारतीय किसान के सबसे नजदीकी सहयोगी रहे हैं। प्रेमचंद की विख्यात कहानी 'दो बैलों की कथा' हो या इसी पर आधारित फिल्म 'हीरा-मोती' में अनेक स्तरों पर बैलों की महत्त्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया है। बैलों पर आधारित खेलों का आयोजन भी देश में होता रहा है। जुताई, सिंचाई, यातायात, कोल्हू, फसल को मंडी तक पहुंचाने जैसे कितने ही महत्त्वपूर्ण कायरे में बैलों की महत्त्वपूर्ण सहायता मिल रही है। हालांकि ट्रैक्टरों के आगमन से बैलों का उपयोग अनेक स्थानों पर कम हुआ पर बहुत से खेतों में आज भी इनकी उपस्थिति बनी हुई है। जलवायु बदलाव के दौर में फॉसिल फ्यूल कम करने पर भी नये सिरे से जोर दिया जा रहा है। प्राकृतिक खेती का महत्त्व बढ़ रहा है। इन सब स्थितियों को ध्यान में रखते हुए गहरी चिंता का विषय है कि केंद्र सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा ऐसी नीति और तकनीकी का प्रसार हो रहा है, जिससे बैलों के जन्म की संभावना ही बहुत कम रह जाएगी। इस लेखक ने हाल के समय में अनेक गांवों के किसानों और पशुपालकों से इस बारे में चर्चा की और उन सबने एक स्वर में कहा कि ऐसी नीति और तकनीकी उचित नहीं है और सरकार को इस पर तुरंत रोक लगानी चाहिए। आखिर, यह तकनीकी और इस आधार पर नीति क्या है, और किस आधार पर इसका प्रचार सरकारी स्तर पर हो रहा है? इस तकनीकी का नाम है सैक्स सार्टिड सीमेन टेक्नोल्ॉजी अथवा लिंग निश्चित करने वाली वीर्य तकनीकी। इस तकनीकी के विकास में दावा किया जाता है कि इसके आधार पर जो गर्भ करवाए जाएंगे उनमें लगभग 90 प्रतिशत संभावना होगी कि बछिया का ही जन्म होगा और बछड़े के जन्म लेने की संभावना बहुत कम होगी।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें। छोटा-बड़ा फैसला लेते वक्त किसी एक्सपर्ट की सलाह से आपको मुनाफा होगा। आज पारिवारिक माहौल व्यवस्थित रखने में आपकी मदद कारगर साबित होगी, परिवार में सभी एक-दूसरे की भावनाओं को समझेंगे।

वृष राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज किसी करीबी व्यक्ति से चल रही अनबन खत्म होगी। जिन बातों में आपकी ज्यादा रुचि है, उन पर ध्यान देंगे जिससे आपको ख़ुशी होगी। आज नए लोगों के साथ जुड़ने से आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज भावनाओं में बहने की बजाय चतुराई से काम लेंगे तो परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज विदेश जाने के लिए प्रयासरत लोगों को अच्छी खबर मिलने की संभावना है। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका खास योगदान रहेगा। अपनी बौद्धिक क्षमता तथा व्यवहार कुशलता द्वारा सकारात्मक परिणाम हासिल करेंगे।

कर्क राशि-आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। व्यावसायिक मामलों में अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए मेहनत करने की जरूरत है। विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की नाकाम कोशिश करेंगे। इस राशि के जो लोग सरकारी क्षेत्रों सेवारत हैं उन लोगों को बेहतरीन कार्यभार मिल सकता है। आज आपका सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज किसी खास व्यक्ति के मार्गदर्शन में आप कार्यों को बेहतरीन तरीके से करेंगे तथा महत्वपूर्ण मुद्दे पर भी विचार-विमर्श होगा। आज किसी धार्मिक संस्था में सेवा संबंधी कार्यों में भी उचित समय बीतेगा। आज किसी भी कार्य को लापरवाही की वजह से अधूरा ना छोड़। आज दूसरों के व्यक्तिगत मामलों से भी खुद को दूर ही रखें।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आपका स्वाभिमान तथा आत्मविश्वास हर परिस्थिति में मेहनत करने की क्षमता बढ़ाएगा और आपके रुके हुए काम थोड़े प्रयास से बन जाएंगे। समाज में आपका मान-सम्मान बना रहेगा। आज बेकार की गतिविधियों में समय बिताना आपके महत्वपूर्ण कार्य में समस्या बन सकता है। अच्छे रिजल्ट के लिए किसी का मार्गदर्शन अवश्य लें।

तुला राशि- आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में ख़ुशी रहेगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आप लम्बे समय तक स्वस्थ रहें इसके लिए आपको अच्छी डाइट लेनी चाहिए।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने काम को नया रूप देने के लिए कुछ रचनात्मक गतिविधियों में भी रुचि रहेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता से संबंधित गतिविधियों में सफलता मिल सकती हैं।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज के दिन का भरपूर उपयोग करना जरूरी है। किसी भी कार्य को करने से पहले उसकी रूपरेखा तैयार करने से उचित सफलता मिलेगी। आज दूसरों की व्यक्तिगत बातों पर ध्यान ना देकर अपने काम के प्रति एकाग्र रहेंगे। यह समय अपने कार्यों के प्रति फोकस रहने का है। आज आप कुछ समय एकांत, ध्यान आदि में जरूर बिताएंगे।

मकर राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज अनुभवी लोगों के साथ रहकर बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। आज दौड़-धूप की अधिकता रहेगी परंतु सफलता मिलने की खुशी में आपके ऊपर थकान हावी नहीं होगी। आज आपका रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। फाइनेंस संबंधी गतिविधियों के मामले में किसी पर भी अधिक भरोसा न करें।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज का दिन कर्म प्रधान बनेगा और आप अपनी ऊर्जा का भरपूर इस्तेमाल करेंगे। आपको अपनी मेहनत के अनुरूप उचित परिणाम भी मिलेंगे। भूमि अथवा वाहन से संबंधित काम हो सकता है। कुछ समय अपने मनोरंजन के लिए भी निकाल लेंगे। वर्तमान स्थिति पर ही अपना ध्यान केंद्रित रखें।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। धार्मिक अथवा आध्यात्मिक गतिविधियों में आपका रुझान बढ़ेगा। आपके अपने व्यक्तिगत काम भी पारिवारिक सदस्यों की मदद से काफी हद तक पूरे हो जाएंगे। घर के वरिष्ठ सदस्यों के मान-सम्मान और मार्गदर्शन की अवहेलना न करें।

खुदकुशी की सिलसिले को रोकने की जरूरत

आनंद अग्निहोत्री

कभी राजस्थान का कोटा शहर जिसे प्री-इंजीनियरिंग एग्जाम और मेडिकल एंट्रेस टेस्ट के मामले में देशभर में डंका बजाने वाला माना जाता था, अब कोचिंग स्टूडेंट की आत्महत्या का हब बनता जा रहा है। अभिभावक यह सोचकर अपने बच्चों को कोचिंग में अध्ययन करने के लिए कोटा भेजते हैं कि उनके बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होगा। वे इंजीनियरिंग अथवा डॉक्टरी की शिक्षा में एडमीशन ले सकेंगे, अपने बच्चों को वे तमाम तरह के सब्जबाग दिखाते हैं, लेकिन तमाम केस ऐसे हो रहे हैं कि बच्चा असफल होने पर आत्महत्या कर लेता है और अभिभावक हाथ मलते रह जाते हैं। जनवरी, 2025 में ही छह छात्रों के आत्महत्या कर लेने से एक बार कोटा फिर भयावह नजर आने लगा है। बड़ा सवाल यह है कि आखिर कोटा में कोचिंग सेंटर्स में पढऩे वाले छात्र असफल होने पर क्यों आत्महत्या कर लेते हैं। इसके लिए जिम्मेदार कौन है। आत्महत्याओं के बढ़ते आंकड़ों से लोग अब अपने बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजने से कतराने लगे हैं। पिछले 10 साल में कम से कम 127 विद्यार्थियों की खुदकुशी के मामले सामने आए हैं, अब यह आंकड़ा और तेजी से बढ़ रहा है। इसे सरकारी तंत्र की विफलता मानें या कोचिंग सेंटल संचालकों की उदासीनता, पढ़ाई का दबाव झेलने में नाकाम रहने वाले विद्यार्थियों की मौत का आंकड़ा थमता नजर नहीं आ रहा है। ऐसा नहीं है कि सरकार ने ऐसे घटनाक्रम रोकने के लिए प्रयास न किए हों। कई बार गाइडलाइंस जारी की गई हैं, लेकिन आत्महत्या का यह सिलसिला रु कता नजर नहीं आ रहा है। यक्ष प्रश्न यह है कि खुदकुशी के इस दर्दनाक खेल के लिए किसे कठघरे में खड़ा किया जा सकता है। आज हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बालक अच्छी से अच्छी सेवा में जाएं और उनका नाम रोशन करें। जो माता-पिता अपने बच्चों को डॉक्टर या इंजीनियर बनाना चाहते हैं वे अपने बच्चों को कोटा के कोचिंग सेंटर्स से तैयारी कराते हैं। इसमें दो राय नहीं कि डॉक्टरी और इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए कोटा सर्वोत्तम हब माना जाता है। जाहिर है कि लोगों का ध्यान कोटा पर केंद्रित हो, लेकिन अभिभावक यह नहीं देखते कि उनका बच्चा इन दोनों पाठ्यक्रमों के लायक है भी या नहीं। सभी बालक अतिकुशाग्र बुद्धि के नहीं होते। सभी की बौद्धिक क्षमता एक जैसी नहीं होती। ऐसे में बच्चों को स्वप्न दिखाकर कोटा में एडमीशन दिलाना उनके जीवन के साथ खिलवाड़ करना ही है। तमाम बच्चे मध्यम और निचले वर्ग के भी होते हैं। उन्हें बताया जाता है कि कैसे शिक्षा प्राप्त कर उन्हें घर-परिवार का नाम रोशन करना है। जब वे इसमें असफल होते हैं तो नाकामी का दबाव उन्हें आत्महत्या के लिए प्रेरित करता है। बहुत से बच्चों पर घर का आर्थिक दबाव भी होता है। इस दबाव के चलते उनके कदम खुदकुशी की ओर बढ़ते हैं। स्पष्ट है कि इन आत्महत्याओं के लिए प्राथमिक तौर पर उनके अभिभावक ही दोषी होते हैं। दूसरे नंबर पर आते हैं कोचिंग सेंटर संचालक। अब यह बात किसी से छिपी नहीं है कि शिक्षा व्यवसाय का रूप ले चुकी है। निम्न से लेकर उच्च स्तर तक की शिक्षा में बड़ी रकम खर्च होती है। कोटा में जो कोचिंग सेंटर चल रहे हैं, उनमें भी मोटी रकम के लालच में बड़ी

संख्या में विद्यार्थियों के प्रवेश ले लिये जाते हैं। भले ही उन कोचिंग सेंटर्स में छात्रों के बैठने तक की समुचित व्यवस्था न हो, लेकिन एडमिशन ले लिये जाते हैं। बाद में उनके बैठने आदि की वैकल्पिक अस्थायी व्यवस्था की जाती है। प्रवेश लेते समय सिर्फ बड़ी रकम देखी जाती है, बच्चे का मानसिक और बौद्धिक स्तर नहीं। बच्चा जेईई अथवा नीट एंट्रेंस क्लीयर कर पायेगा या नहीं, इस ओर कोई गौर नहीं किया जाता। कोचिंग सेंटर संचालक सिर्फ व्यवसाय कर रहे हैं। हम यह नहीं कहते कि वे अच्छी शिक्षा नहीं दे रहे, निश्चित रूप से दे रहे हैं, लेकिन यह देखने वाला कोई नहीं है कि बच्चे मानसिक रूप से यह शिक्षा ग्रहण कर भी पा रहे हैं या नहीं। बीच-बीच में उन्हें ताकीद कर दी जाती है कि वे पिछड़ रहे हैं और ज्यादा मेहनत करें, लेकिन कैसे, यह कोई नहीं बताता। शायद यही कारण है कि प्रशासन और सरकार ने जो गाइडलाइंस जारी की है, उसमें चयन समिति गठित करने का सुझाव दिया गया है। अगर चयन समिति में शामिल विषय विशेषज्ञ प्रवेश के समय ही विद्यार्थियों के मानसिक और बौद्धिक स्तर की जांच कर लें और सक्षम विद्यार्थियों को ही प्रवेश दें तो न संबंधित कोचिंग सेंटर का परीक्षा फल उत्तम हो बल्कि खुदकुशी की इस अनवरत चली आ रही श्रृंखला पर विराम भी लग सके। चयन समिति अगर अयोग्य या कमजोर छात्रों को प्रवेश ही न दे तो इतना ही तो होगा कि छात्र लौट जाएगा, लेकिन कम से कम आत्महत्या करने की नौबत तो नहीं आएगी। तीसरी जिम्मेदारी बनती है पीजी संचालकों की जो मोटी रकम लेकर छात्रों को आवास तो मुहैया करा देते हैं, लेकिन वहां ऐसी कोई सुरक्षात्मक व्यवस्था नहीं करते जिससे छात्र आत्महत्या न कर सके। कहने को कहा जा सकता है कि जिसे खुदकुशी करनी है वह कहीं भी कर सकता है, किसी भी प्रकार से कर सकता है मगर पीजी संचालकों की यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि कम से कम वह अपने पीजी में तो इस तरह के इंतजाम कर लें कि छात्र खुदकुशी करने का मौका न पा सके। दूसरी बात उन्हें सिर्फ आय का साधन ही समझें बल्कि उनके दुख-सुख में सहभागी बनने का प्रयास करें ताकि छात्रों को पीजी में भी घर जैसा माहौल मिल सके। यूं तो खुदकुशी की इस चेन को तोडऩे के लिए जिला प्रशासन ने गाइड लाइंस जारी की हैं और इनका पालन न करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी कर रहा है लेकिन इस सिलसिले को रोकने के लिए तीन उपाय करने की जरूरत है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

प्रशंसकों को विराट के चैम्पियंस ट्रॉफी से फार्म हासिल करने की उम्मीद

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज पिछले काफी समय से खराब फार्म से जूझ रहे हैं।। अब प्रशंसकों को उम्मीद है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी से वह अपना खोया फार्म हासिल कर सकते हैं। इसका कारण है कि विराट आईसीसी टूर्नामेंटों में हमेशा सफल रहे हैं और उन्होंने जमकर रन बनाये हैं। इसमें 2023 एकदिवसीय विश्वकप हो या 2024 टी20 विश्व कप सभी में उनका बल्ला जमकर चला। विराट ने 2008 में एकदिवसीय और 2011 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया। इसके बाद 2019 तक वह जमकर रन बनाते रहे। केवल 2020 में पहली बार उनका औसत 40 से कम हुआ। वहीं 2020 में कोहली 3 टेस्ट मैच में 19.33 के औसत से सिर्फ 74 रन बना सके। विराट ने इसके बाद 2021 में 28.21 के औसत से 536 रन बनाये। वहीं साल 2022 में 265 रन निकले। इसके बाद 2023 में कोहली ने वापसी करते हुए 55.91 के औसत से 671 रन बनाये पर इस साल की शुरुआत से ही वह लगातार विफल होते रहे हैं। इस साल वे 24.52 के औसत से सिर्फ 417 रन बना पाते हैं। इसमें अगर एक शतक को हटा दें तो उनका आंकड़ा और भी खराब नजर आयेगा। कोहली ने एकदिवीसय मैचों में 2020 और 2021 में 40 से अधिक की औसत से रन बनाए। लेकिन 2022 का साल एकदिवसीय में भी कोहली के लिए बुरा साबित हुआ। इस साल वे 11 एकदिवसीय में 27.45.के औसत से सिर्फ 302 रन बना पाते हैं। विराट 2023 में अच्छी वापसी करते हुए टेस्ट और एकदिवसीय में भी जमकर रन बनाते हैं। इसी साल उन्होंने विश्व कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। कोहली ने 2023 में 27 एकदिवसीय मैचों में 72.47 की औसत से 1377 रन बनाए। उन्होंने पिछले साल टी20 विश्वकप के फाइनल में भी शानदार अर्धशतकीय पारी खेली थी।

आरसीबी ने रजत पाटीदार को कप्तान बनाया

मुम्बई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सत्र के लिए रजत पाटीदार को कप्तान बनाया है। है। रजत पाटीदार ने कप्तानी की दौड़ में क्रुणाल पांड्या को पीछे छोड़ा। पाटीदार ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में मध्य प्रदेश की कप्तानी की थी। वहीं क्रुणाल बड़ौदा के कप्तान रहे हैं। आरसीबी की ओर से कहा गया कि कप्तान का फैसला करना आसान नहीं था। उसके पास कई योग्य उम्मीदवार थे। हालांकि अंत में विचार विमर्श के पाटीदार को टीम की कमान सौंपी थी। टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने रजत को बधाई देते हुए कहा, आप को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। जिस तरह से आप आगे बढ़े हैं, आपने पूरे देश में प्रशंसकों के दिलों में जगह बनाई है। मैं और टीम के अन्य सदस्य आपके पीछे खड़े होंगे। यह एक बड़ी जिम्मेदारी है। यह देखना कि कौन फ्रैंचाइजी को आगे ले जाएगा, आपके लिए बहुत बड़ा सम्मान है। मुझे भरोसा है कि आप आगे बढ़ते रहेंगे। रजत विकसित हुआ है, उसके खेल में कई स्तरों पर सुधार हुआ है। उसने राज्य की टीम का नेतृत्व किया है। उसने दिखाया है कि फ्रैंचाइजी का नेतृत्व करने के लिए क्या करना पड़ता है। मैं प्रशंसकों से उसका समर्थन करने का अनुरोध करता हूं, और जानता हूं कि वह टीम के लिए सबसे अच्छा काम करेगा। चाहे कुछ भी हो सबसे महत्वपूर्ण बात टीम और फ्रैंचाइजी है। टीम, फ्रैंचाइजी को मेरी शुभकामनाएं और सभी के साथ काम करने का इंतजार है। वहीं मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा, तीन मुख्य बातें साझा करने लायक हैं। पहली बात आईपीएल में शांत और सादगी की जरूरत होती है। यह उनके लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। दूसरी बात वह शांत हैं लेकिन अपने आस-पास के लोगों की परवाह करते हैं। इसका मतलब है कि उन्हें तुरंत ही दूसरे लोगों से सम्मान और देखभाल मिलेगी, एक नेता के तौर पर लोग उनके पीछे चलेंगे। तीसरी बात उनमें एक जिद्दीपन और दृढ़ता है। आप इसे उनके खेलने के तरीके और खेल को संभालने के तरीके में देख सकते हैं।

वहीं कप्तान बने-वहीं आरसीबी ने सोशल मीडिया के जरिए एक वीडियो शेयर किया, इसमें रजत ने कहा कि ये उनके लिए बड़ा सम्मान है। पाटीदार ने बताया कि उनकी कप्तानी का तरीका थोड़ा अलग है। मैं ज्यादा शांत हूं और मुझे परिस्थिति का पता रहता है कि क्या जरूरत है और क्या नहीं। मैं ज्यादा जाहिर नहीं करता है और दबाव की स्थिति में घबराता नहीं हूं और यही मेरी ताकत है

रोहित ने गांगुली का रिकार्ड तोड़ा

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम ने तीसरे एकदिवसीय में भी इंग्लैंड को 142 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया है। इसी सीरीज में जीत से चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा है। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने इस सीरीज में जीत के साथ पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का एक रिकार्ड तोड़ दिया। रोहित को कप्तान के तौर पर अब तक 137 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में से 98 मैचों में जीत मिली है। इस प्रकार वह सबसे सफल कप्तानों की सूची में चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं पूर्व कप्तान गांगुली की कप्तानी में भारतीय टीम ने 195 मैचों में 97 मुकाबल जीते थे।<भारतीय टीम के सबसे सफल कप्तानों मे नंबर एक पर महेंद्र सिंह धोनी हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने कुल 332 मैचों में से 178 मैच जीते। दूसरे नंबर पर विराट कोहली है। विराट कोहली की कप्तानी में टीम ने 213 मैचों में से 135 मैच जीते हैं। है। इसके अलावा इस सूची में तीसरे नंबर पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन का नाम है। अजहर की कप्तानी में टीम इंडिया ने 221 मैचों में से 104 मैच जीते हैं। वहीं अब रोहित ने 137 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में टीम इंडिया की कप्तानी करते हुए 98 मुकाबलों में जीत दिलायी है।

आईसीसी एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच शुभमन

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में शतक लगाने के साथ ही एकदिवसीय मैचों में सबसे तेजी से 2,500 रन पूरे किये हैं। शुभमन ने एकदिवसीय प्रारूप में लगातार तीसरी बार 50 रन या उससे अधिक रन बनाये हैं। इस वह ताजा आईसीसी पुरुष एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम नंबर एक हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो एकदिवीसय में 87 और 60 रनों की पारी के कारण शुभमन को एक स्थान का लाभ हुआ है। वहीं रोहित एक स्थान के नुकसान के साथ ही तीसरे नंबर पर फिसल गये हैं। वहीं भारत के ही विराट कोहली दो स्थान ऊपर आकर छठे स्थान पर आ गए हैं। मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर 11वें से एक स्थान के लाभ के साथ ही शीर्ष 10 में पहुंच गए हैं। शुभमन ने इस टूर्नामेंट के 3 मैचों में 86 की औसत के साथ अब तक 259 रन बनाये हैं। ऐसे में अब उनके पास 19 फरवरी से शुरु हो रही चैम्पियंस ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर बाबर की जगह नंबर एक बनने का अवसर है।

गेल ने चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को प्रबल दावेदार बताया

नई दिल्ली : वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर क्रिस गेल ने कहा है कि रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने की प्रबल दावेदार है। गेल ने कहा कह उन्होंने भारतीय टीम का समर्थन इसीलिए किया है क्योंकि उसके पास अच्छी टीम है। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि भारत के पास हमेशा एक अच्छी टीम होती है, चाहे वे कोई भी टीम चुनें। इसलिये उनकी जीत की संभावना ज्यादा होती है। गेल को लीजेंड्स लीग क्रिकेट टेन (एलएलसी10) टूर्नामेंट में बैद्यनाथ बुंदेलखंड ब्लास्टर्स टीम का संरक्षक नामित किया गया था। इसमें भारत भर के खिलाड़ियों के साथ उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों की 12 टीमें टेनिस बॉल टेन ओवर टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। गेल ने कहा कि एलएलसी10 जैसे सॉफ्टबॉल टूर्नामेंट एक अच्छा कदम है क्योंकि वे नए टूर्नामेंट लाने में मदद करेंगे। हम सभी ने स्थानीय स्ट्रीट सॉफ्ट बॉल क्रिकेट खेला है और अपना करियर शुरू किया है। गेल ने कहा कि खिलाड़ियों को मेरी सलाह है कि उन्हें क्रिकेट को एक खेल के रूप में गंभीरता से खेलना चाहिए जो बाद में आजीविका बन सकता है। वहीं गेल ने पिछले साल भारत दौरे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हुई मुलाकात को भी याद किया। गेल पिछले साल जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस की भारत की आधिकारिक यात्रा के दौरान उनके आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। गेल ने कहा कि उनसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। मैं लगातार भारत आता रहा हूं और अपने इसी दौरानप प्रधानमंत्री के साथ मिलने का मौका मिलना शानदार था। गेल ने इस मुलाकात के क्षणों को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी साझा किया था।

व्यापार

शेयर बाजार की मजबूत शुरूआत

सेंसेक्स 150 अंक चढ़ा; 23,100 के स्तर पर

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लगातार जारी गिरावट का सिलसिला तोड़ते हुए ग्रीन निशान में खुले। बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद भाव से 30.02 अंक ऊपर 76,201.10 पर खुला। निफ्टी50 महज 10.50 अंक की बढ़त के साथ हरे निशान में 23,055.75 पर खुला। गुरुवार को कई स्मॉलकैप और मिडकैप कंपनियां अपने दिसंबर तिमाही के नतीजे घोषित करेंगी। इनमें गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया, गूडीयर, आईपीसीए लैब्स, आईटीआई, एमएमटीसी, सेनको गोल्ड, एसजेवीएन, टीटागढ़ रेल सिस्टम्स और यूनाइटेड ब्रेवरीज शामिल हैं। लार्जकैप कंपनियों में केवल हिंडाल्को आज अपने तिमाही नतीजे जारी करेगी। बुधवार को शेयर मार्केट में निचले लेवल से रिकवरी हुई। शुरुआती कारोबार में 75,388.39 के लेवल पर पहुंच गया था, जबकि निफ्टी 22,798.35 के लेवल पर अपना इंट्राडे लो हिट किया। हालांकि सेंसेक्स 122 अंक टूटकर 76,171 के लेवल पर बंद हुआ, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज बेंचमार्क निफ्टी 26.55 अंक की गिरावट के साथ 23,045.25 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में बढ़त देखने को मिली, क्योंकि निवेशकों ने अमेरिका में जनवरी महीने की उम्मीद से ज्यादा महंगाई दर के आंकड़ों को पचा लिया। जनवरी में यूएस कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स 3 फीसदी बढ़ा, जो दिसंबर के 2.9 फीसदी से अधिक है। इस बढ़ती महंगाई के चलते फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की संभावना फिलहाल कम हो गई है और यहां तक कि रेट बढ़ाने की आशंका भी बढ़ गई है। वहीं अमेरिकी बाजारों में बुधवार को दबाव देखने को मिला। एसएंडपी 500 0.27 फीसदी गिरा, डाउ जोंस 0.5 फीसदी टूटा, जबकि नैस्डैक कंपोजिट मामूली 0.03 फीसदी बढ़ा।

सोने की मजबूत शुरुआत, चांदी ने भी पकड़ी रफ्तार

सोना 85500 रुपये के पार, चांदी 95,600 रुपये के करीब

नई दिल्ली। देश के सराफा बाजारों में गुरुवार को सोने-चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। गुरुवार को सोने के वायदा भाव तेजी के साथ खुले, जबकि चांदी के भाव हल्की गिरावट के साथ खुलने के बाद सुधर गए। सोने के वायदा भाव 85,800 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 95,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 219 रुपये की तेजी के साथ 85,700 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 332 रुपये की तेजी के साथ 85,813 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 85,850 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 85,700 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इसी महीने 86,360 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 5 रुपये की गिरावट के साथ 95,497 रुपये पर खुला। हालांकि इस समय यह 76 रुपये की तेजी के साथ 95,578 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 95,678 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 95,497 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। पिछले साल चांदी के वायदा भाव ने 1,00081 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,928.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,928.70 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 7.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,936.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.7 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 32.78 डॉलर था। इस समय यह 0.08 डॉलर की तेजी के साथ 32.86 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

आरबीआई बाजार में नया 50 रुपए का नोट जारी करेगा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जल्द ही बाजार में एक नया 50 रुपए का नोट जारी करने का ऐलान किया है। इस नए नोट का डिजाइन महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 50 रुपए के बैंक नोटों के समान होगा। नोट पर आरबीआई के नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर होंगे। मल्होत्रा ने दिसंबर 2024 में शक्तिकान्त दास की जगह गवर्नर का पद संभाला था। आरबीआई ने बताया कि पूर्व में जारी की गई 50 रुपए के सभी नोट अब भी मान्य होंगे। केंद्रीय बैंक के अनुसार देश में अब भी 2000 रुपये के नोटों की भरमार है। आरबीआई ने इन नोटों के लिए अपडेट जारी किया है और बताया कि 31 जनवरी, 2025 तक 98.15 फीसदी गुलाबी नोट वापस लेने में सफल रही है। क्लीन नोट पॉलिसी के तहत आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये के नोटों को बंद करने का ऐलान किया था। इस नए नोट के जारी होने से लोगों के लिए नए स्वर्णिम रुपये के नोटों का स्वागत है।

रुपया 14 पैसे मजबूत होकर 86.81 डॉलर पर

रुपया बुधवार को 86.95 पर बंद हुआ था

मुंबई। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 14 पैसे मजबूत होकर 86.81 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये पर दबाव कम हुआ। हालांकि विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के कारण दबाव झेल रही स्थानीय मुद्रा को घरेलू शेयर बाजारों में कुछ सुधार से समर्थन मिला। सरकार द्वारा बुधवार को जारी मुद्रास्फीति के उम्मीद से बेहतर आंकड़ों से भी इसमें सुधार हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 86.82 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले 86.81 पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की बढ़त दर्शाता है।

रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.95 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ 107.59 पर रहा।

सेबी ने 7 लोगों को जुर्माने का भुगतान नहीं करने पर नोटिस भेजा

15 दिनों के भीतर ब्याज सहित 2.83 करोड़ का भुगतान करने का निर्देश

नई दिल्ली। सेबी ने पिछले साल 7 लोगों पर करीब 3 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था और इसका भुगतान नहीं करने पर अब डिमांड नोटिस भेजा है। शेयर बाजार से संबंधित कार्यक्रम पेश करने वाले प्रदीप बैजनाथ पांड्या और सात अन्य को पिछले साल जून में धोखाधड़ीपूर्ण व्यापारिक गतिविधियों के संबंध में लगाए गए जुर्माने का भुगतान नहीं करने पर 2.83 करोड़ रुपये का मांग नोटिस भेजा है। पांड्या के अलावा तोशी ट्रेड, महान इन्वेस्टमेंट, मनीष वासनजी फुरिया (एचयूएफ), मनीष वासनजी फुरिया, अल्पा अल्पेश फुरिया, अल्पेश वासनजी फुरिया (एचयूएफ) और अल्पेश वासनजी फुरिया को भी जुर्माना भरने का नोटिस भेजा गया था। सेबी ने इन इकाइयों को 15 दिनों के भीतर ब्याज और वसूली लागत सहित 2.83 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया है। सेबी ने पिछले साल जून में पांड्या और सात अन्य संस्थाओं पर प्रतिभूति बाजार से 5 साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था और सामूहिक रूप से 2.6 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। बाजार नियामक ने चेतावनी दी है कि यदि भुगतान नहीं हुआ तो संपत्तियां कुर्क कर ली जाएंगी।

बॉक्स ऑफिस पर अक्षय कुमार की स्काई फोर्स का खेल खत्म, शाहिद कपूर की देवा की हालत पस्त

अक्षय कुमार की फिल्म स्काई फोर्स को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 18 दिन पूरे हो गए हैं और यह पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। देशभक्ति से भरपूर इस फिल्म की कहानी दर्शकों को लुभा रही है। लोग इसकी भावुक कहानी से प्रेरित होकर सिनेमाघरों का रुख कर रहे हैं। हालांकि, अब स्काई फोर्स का कारोबार लाखों में सिमट गया है। आइए बताते हैं फिल्म ने 18वें दिन कितने लाख रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, स्काई फोर्स ने अपनी रिलीज के 18वें दिन यानी तीसरे सोमवार को 45 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 110.25 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म का निर्देशन अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी ने किया है, वहीं दिनेश विजान इस फिल्म के निर्माता हैं। वीर पहाड़िया ने इस फिल्म के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा है। सारा अली खान भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं। बॉक्स ऑफिस पर स्काई फोर्स का सामना शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े की फिल्म देवा से हो रहा है। इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर हाल-बेहाल है। जाह्नवी कपूर की बहन खुशी कपूर और आमिर खान के बेटे जुनैद खान की फिल्म लवयापा भी इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है। इसके अलावा हिमेश रेशमिया और प्रभु देवा की फिल्म बैडएस रविकुमार भी पहले दिन से ही टिकट खिड़की पर दर्शकों के लिए तरस रही है। वहीं रोशन एंड्रयूज के निर्देशन में बनी फिल्म देवा को बीते 31 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। इसमें शाहिद कपूर और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में दोनों की अदाकारी की तारीफ हो रही है, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसका हाल बेहाल है। यह दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई। अब इस फिल्म का कारोबार लाखों में सिमट गया है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, देवा ने अपनी रिलीज के 11वें दिन यानी दूसरे सोमवार को 50 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 32.25 करोड़ रुपये हो गया है। इस एक्शन ड्रामा में शाहिद ने एक दबंग पुलिसवाले का किरदार निभाया है। इसमें रोमांस का तड़का भी लगाया गया है। इस फिल्म में पावेल गुलाटी ने भी अभिनय किया है। सिद्धार्थ रॉय कपूर इस फिल्म के निर्माता हैं।

बॉक्स ऑफिस पर जुनैद खान और खुशी कपूर की फिल्म लवयापा का हाल-बेहाल

लाखों में सिमटी कमाई

जुनैद खान और खुशी कपूर काफी समय से फिल्म लवयापा को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म बीते 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि यह बड़े पर्दे पर दोनों की पहली फिल्म है।<इस फिल्म से निर्माताओं को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर इसका हाल-बेहाल है। आलम यह है कि केवल 4 दिन में फिल्म का कारोबार लाखों में सिमट गया है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, लवयापा ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी सोमवार को 60 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 5.15 करोड़ रुपये हो गया है। लवयापा ने 1.15 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की, वहीं दूसरे दिन यह फिल्म 1.65 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। तीसरे दिन इस फिल्म ने 1.75 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म का अनुमानित बटज 50 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। लवयापा का निर्देशन अद्वैत चंदन ने किया है। खुशी और जुनैद के अलावा इस फिल्म में ग्रुशा कपूर, आशुतोष राणा और किकू शारदा जैसे कलाकारों ने भी अभिनय किया है। यह तमिल रोमांटिक कॉमेडी लव टुडे (2022) का रीमेक है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था। इस फिल्म की कहानी में दिखाया गया है कि खुशी और जुनैद की शादी से पहले 24 घंटे के लिए उनके फोन आपस में बदले जाते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर बैडएस रविकुमार को नहीं मिल रहे दर्शक, चौथे दिन कमाए केवल इतने लाख रुपये

सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में प्रदर्शित हो रही हैं। इन्हीं में एक हिमेश रेशमिया की बैडएस रविकुमार भी है। यह फिल्म 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और समीक्षकों से इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया भी मिली, लेकिन

दर्शकों ने इस फिल्म को नकार दिया है। बॉक्स ऑफिस पर यह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। फिल्म का कारोबार लाखों में सिमट गया है। अब बैडएस रवि कुमार की कमाई के चौथे दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, बैडएस रवि कुमार ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी पहले सोमवार को 60 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 6.75 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 2.75 करोड़ रुपये के साथ धीमी शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन इसने 2 करोड़ रुपये का कारोबार किया। तीसरे दिन यह फिल्म 1.4 करोड़ रुपये का कारोबार करने में सफल रही। हिमेश के अलावा बैडएस रवि कुमार में कोरियोग्राफर और अभिनेता प्रभु देवा भी मुख्य भूमिका में हैं। इस हाई-ऑक्टेन एक्शन म्यूजिकल फिल्म का निर्देशन कीथ गोम्स ने किया है। कीर्ति कुल्हारी, संजय मिश्रा, जॉनी लीवर जैसे कलाकार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। बैडएस रवि कुमार की कहानी एक पुलिसवाले की है, जो कानून के दायरे से अलग होकर काम करता है। देश से जुड़े रहस्यों की रक्षा करने के लिए वो एक मिशन पर है।

अनुष्का सेन ने कातिल अदाओं से इंटरनेट पर बरपाया कहर, एक्ट्रेस की हॉटनेस देख दीवाने हुए फैंस

एक्ट्रेस अनुष्का सेन आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस को अपने हुस्न का कायल कर देती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका क्यूटनेस भरा अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। अनुष्का सेन ने बेहद ही कम उम्र से अपने करियर की शुरुआत की थी। एक्ट्रेस ने टीवी शोज में अपनी दमदार एक्टिंग से करोड़ों दर्शकों के दिल में अपनी जगह बनाई है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं, जिसमें उनका क्यूट लुक देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। अनुष्का सेन की लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं उन्होंने पिंक कलर का बेहद ही स्टाइलिश वनपीस ड्रेस पहना हुआ था, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देते हुए हॉट फोटोज क्लिक करवा रही हैं। बालों को स्टाइलिश लुक में बांधकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। उनका ये कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तबाही मचा रहा है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी इंस्टाग्राम पर अपनी स्टाइलिश लुक में फोटोज शेयर करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक को फॉलो करते हैं।

सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव की रिलीज तारीख जारी, 28 फरवरी को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

आने वाले दिनों में कई फिल्में दर्शकों का मनोरंजन करती दिखेंगी, जिनमें से एक सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव भी है। पिछले साल सितंबर में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जो दर्शकों की कसौटी पर

खरा उतरा था। तभी से दर्शक फिल्म की रिलीज तारीख का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब मालेगांव के लड़कों की नई झलक जारी कर फिल्म के निर्माताओं और निर्देशक ने इसकी रिलीज तारीख का ऐलान भी कर दिया है। यह फिल्म सिनेमाघरों के बाद अमेजन प्राइम वीडियो पर आएगी। प्राइम वीडियो ने अपने पोस्ट में लिखा, एक छोटे शहर से बड़े पर्दे तक, मिलिए मालेगांव के सुपरबॉयज से- एक ऐसी टीम जो सपने देखने की हिम्मत रखती है और उसे पूरा करने का साहस करती है। फिल्म से आदर्श गौरव समेत सभी कलाकारों की नई झलकियां सामने आई हैं। इसी के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म ने ऐलान किया कि फिल्म 28 फरवरी को सिनेमाघरों का रुख करेगी। रीमा कागती के निर्देशन में बनी इस फिल्म में आदर्श गौरव, शशांक अरोड़ा, विनीत कुमार सिंह, अनुज सिंह दुहान, साकिब अयूब, पल्लव सिंह, मंजरी सहित कई प्रतिभाशाली कलाकार हैं। सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव पिछले साल 13 सितंबर को टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में दिखाई गई थी। इसके बाद 10 अक्टूबर को बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल में भी इसकी स्क्रीनिंग हुई थी। फिल्म की कहानी महाराष्ट्र के छोटे से शहर मालेगांव की पृष्ठभूमि पर तैयार की गई है।

UN report exposes Yunus on attacks on Hindus in Bangladesh

Agency: Though Muhammad Yunus, the Chief Advisor to the interim government in Bangladesh, repeatedly discarded incidents of violence against the Hindus as mere "exaggerated propaganda", a fact-finding report by the United Nations Human Rights Office debunked his claims by providing evidence of violent mob attacks, including assaults on places of worship of Hindus. Incidentally, the fact-finding team was sent at the invitation of Yunus' interim government. After violent protests in Bangladesh forced now-ousted PM Sheikh Hasina to flee on August 5, 2024, Hindus, making up about 8% of the country's 17-crore population, faced deadly attacks, with their homes, businesses, and religious sites vandalised. A week after Hasina's ouster in August 2024, India Today Digital scanned through reports and spoke to sources in Bangladesh to report that there were over 200 instances of attacks, including five killings, on minority Hindus in three days of chaos after the fall of the Sheikh Hasina regime in Bangladesh. However, even as Indian Prime Minister Narendra Modi and then-US President-elect Donald Trump criticised the attacks on Hindus in Bangladesh, Yunus downplayed the violence against Hindus, describing it as "exaggerated propaganda" with political motives aimed at destabilising the nation. The UN report released on February 12 also noted that violent mob attacks on Hindu minorities in Bangladesh began even before Hasina was forced to flee to India. It also revealed that, along with the Hindus, Ahmadiyya Muslims and indigenous groups in the Chittagong Hill Tracts, were subjected to similar atrocities in Bangladesh. "During and after the protests, members of the Hindu community, Ahmadiyya Muslims and indigenous groups in the Chittagong Hill Tracts, were also subject to violent attacks by mobs, including burning of homes and some attacks on places of worship," said the report in its summary. Hindus and other minority communities earlier claimed that the Yunus-led interim government hadn't protected them adequately. Hindus in Bangladesh faced over 2,000 attack incidents after Hasina was forced to flee in August 2024, news agency Associated Press in November reported, quoting the Bangladesh Hindu Buddhist Christian Unity Council, a minority rights group.Between November 26, 2024, and January 25, 2025, "76 cases of incidents of attacks against Hindus have been reported in Bangladesh. Since August, reports have cited deaths of 23 Hindus and 152 incidents of attack on Hindu temples in Bangladesh," according to Kirti Vardhan Singh, the minister of state (MoS) of the Ministry of External Affairs, said in the Parliament last week. The UN report has also pointed out the specific places in Bangladesh where violence against Hindus took place. "According to information submitted to OHCHR, in Burashardubi, Hatibandha, Lalmonirhat three temples were attacked and set ablaze, along with the looting of approximately 20 houses, reflecting significant levels of community unrest," noted the UN report. "In the aftermath of the former [Hasina] Government's fall, widespread attacks were reported against Hindu homes, businesses, and places of worship, especially in rural and historically tense areas such as Thakurgaon, Lalmonirhat, and Dinajpur, but also in other places such as Sylhet, Khulna, and Rangpur," the report noted. The incidents of violence against Hindus included property destruction, arson, and physical threats, exacerbated by inadequate police action, indicating systemic impunity and possible political motives, the report revealed. The report also revealed that these attacks on Hindus were driven by "religious and ethnic discrimination, revenge against Awami League supporters among minorities, local communal disputes over land, and interpersonal issues". "Some Jamaat-e-Islami and BNP supporters, members and local leaders were also involved in revenge violence and attacks on distinct religious and indigenous groups," noted the report.

The UN report titled, 'Human Rights Violations and Abuses related to the Protests of July and August 2024 in Bangladesh', that was conducted at "the invitation of the Interim Government of Bangladesh", has thus exposed Muhammad Yunus' claims of "exaggerated propaganda". Earlier in November 2024, a report by Transparency International Bangladesh (TIB) revealed that minorities, including Hindus, had suffered in the first 100 days of the Muhammad Yunus government in Bangladesh. The report cited 2,010 incidents of communal violence under the post-Hasina regime and the lack of effort to identify and punish the perpetrators. The report by TIB also said that the influence of religion-based politics was increasing in Bangladesh. The minority Hindu community in Bangladesh, became easy targets of Islamist forces after Hasina's Awami League government was toppled. They celebrated their biggest festival, Durga Puja, under the shadow of threats. Chinmoy Krishna Das, a Hindu monk leading a movement for minority rights in Muslim-majority Bangladesh, was charged with sedition and jailed over saffron flags, in what appeared to be a crackdown on protests. Since his arrest in November 2024, the ailing Das has been kept behind bars, with his bail pleas repeatedly quashed amid violent opposition from Islamist forces. The UN report, along with findings from Transparency International Bangladesh, has systematically debunked Muhammad Yunus' claims by documenting targeted violence against Hindus and other minorities under his interim government. The evidence of mob attacks, police inaction, and rising religious extremism shows that rather than being "exaggerated propaganda", the persecution of minorities, including Hindus, is a harsh reality that Yunus cannot choose to ignore.

Waqf Report Storm In Parliament, Amit Shah says no objection to dissent notes

Agency: Both houses of Parliament witnessed a massive showdown between the NDA and opposition MPs over the report of the joint committee on the Waqf (Amendment) Bill, 2024, which was tabled on Thursday. Both the Lok Sabha and the Rajya Sabha witnessed protests by the opposition, with MPs claiming that portions of dissent notes were removed from the final report. In the Lok Sabha, the report on the Bill, which aims to streamline registration of Waqf properties, was tabled by Joint Parliamentary Committee (JPC) chairperson and BJP MP Jagadambika Pal amid chants of 'Jai Shri Ram'. However, the proceedings were marred by opposition protests as MPs trooped to the Well of the House and raised slogans. In a bid to pacify the protesting MPs, Union Home Minister Amit Shah said the government had no objection if the dissent notes were added. "Some opposition members have objected, stating that their disputes have not been fully included. On behalf of my party, I request that the opposition's disputes be appropriately incorporated into the parliamentary procedure. My party has no objection to this," Shah said. In the Rajya Sabha, the report on the bill was tabled by Rajya Sabha MP Medha Kulkarni and was accepted by the House. The opposition eventually staged a walkout of the Rajya Sabha during the discussion on the report. Leader of Opposition and Congress chief Mallikarjun Kharge said the opposition would not accept "fake reports" that "bulldoze our views". The Congress chief demanded that the report be sent back to the Joint Parliamentary Committee (JPC) and presented again. "In the JPC report, many members have their dissent report. It is not right to remove those notes and bulldoze our views. This is anti-democracy... We will never accept such fake reports. If the report does not have dissenting views, it should be sent back and presented again," Kharge said. In a show of unity among the opposition, several INDIA bloc MPs also backed Kharge. Sena (UBT) MP Arvind Sawant claimed that clause-by-clause discussions were never held in the meetings of the JPC. "Because of this, we gave a dissent note. They have removed the dissent note we gave," he said. Countering Kharge's claims, Union Minister Kiren Rijiju said the dissent notes were attached in the appendix of the report and accused the opposition of misleading the House. "There is no deletion or removal from the report... The members of the Opposition are creating an unnecessary issue," he said. Hitting out at the opposition, Union Minister and BJP president JP Nadda said that "some were trying to fight the Indian state" - a seeming reference to Rahul Gandhi's controversial remark last year. Last year, Gandhi had said that the Congress was not only fighting the BJP and the RSS, but the "Indian state" as well. The legislation proposes a complete overhaul of the governance of Waqf boards, which oversee properties donated for religious and charitable purposes by the Muslim community. Among the key provisions of the bill are the inclusion of at least two non-Muslim members on state Waqf boards and arbitration by a government official to decide whether a property is Waqf property or not. The final report of the Joint Parliamentary Committee (JPC) was presented to Lok Sabha Speaker Om Birla on January 30 after months-long deliberations. The amended revised bill was adopted by the panel on January 29. While 14 amendments proposed by the ruling NDA members were approved, the changes suggested by the opposition MPs were rejected.

PM Modi arrives in US, to hold high-stake talks with President Trump

Agency: Prime Minister Narendra Modi arrived in Washington, D.C., to a warm welcome amid chilly weather. He will meet President Donald Trump during his official working visit to the US. This is Modi's first visit to the US since the inauguration of Trump who assumed office on January 20. Modi will be the fourth world leader to meet Trump in his second presidential term, the previous ones being Israel Prime Minister Benjamin Netanyahu, Japanese Prime Minister Shigeru Ishiba and Jordan King Abdullah. This is also the earliest an Indian Prime Ministerhas met with a US President after his inauguration to the White House. Modi's first meeting upon landing was with Tulsi Gabbard, the Director of National Intelligence who called on the PM.

"Met USA's Director of National Intelligence, @TulsiGabbard in Washington DC. Congratulated her on her confirmation. Discussed various aspects of the India-USA friendship, of which she's always been a strong votary," the Prime Minister said on X. An official statement said Prime Minister fondly recalled his earlier interactions with Gabbard. "The discussions touched on enhancing bilateral intelligence cooperation, particularly in counter-terrorism, cybersecurity, emerging threats, and strategic intelligence sharing. They also exchanged views on regional and global developments of mutual interest, reaffirming their commitment to a secure, stable, and rules-based international order," the communique from PMO said. The much anticipated Modi Trump meeting will have on the agenda defence cooperation and the sticking issues pertaining to Trump's trade tariff raises and deportation of illegal immigrants. While Trump is likely to demand fair trade relations having called India as a very big abuser on tariffs, PM Modi will likely flag the recent mistreatment of 104 Indian deportees sent back home in chains, triggering domestic outrage and calls from the Opposition to demand dignity for the immigrants who are not criminals.

Modi and Trump have in the past shared good personal rapport with Trump once describing the Prime Minister as the "nicest person." Prime Minister Modi has also mentioned "friend Trump" warmly. India will look to strike a balance on trade tariffs with the US having already slashed import duties on several products the US exports to India.

Adani withdraws from Sri Lanka power project amid mounting scrutiny

Agency: Adani Green Energy, the renewable arm of billionaire Gautam Adani's conglomerate, has withdrawn from two proposed wind power projects in Sri Lanka, following the Island nation's new government deciding to renegotiate tariffs.

"Adani Green Energy has conveyed its Board's decision to respectfully withdraw from further engagement in the renewable energy (RE) wind energy project and two transmission projects in Sri Lanka," the firm said in a statement. The company was to invest a total of USD 1 billion in generating electricity from wind at two projects and laying transmitting lines to take it to users. The plan came under the scrutiny of the newly elected administration under President Anura Kumara Dissanayake who wanted to reduce electricity costs. "However, we remain committed to Sri Lanka and are open to future collaboration if the government of Sri Lanka so desires" AGEL said. Adani group, however, continues to be invested in a USD 700 million terminal project at Sri Lanka's largest port in Colombo. AEGL was originally supposed to develop two wind farms with a total capacity of 484 megawatts in Sri Lanka's Mannar and Pooneryn regions, with an investment of USD 740 million. The project, slated for completion by mid-2026, had a rough start with opposition from environmental groups and legal challenges in Sri Lanka's Supreme Court over ecological concerns. In May last year, Sri Lanka's previous government agreed to purchase power from the proposed Adani wind plant at USD 0.0826 per kilowatt-hour. The new government began investigating the

contract following an indictment against the Adani group founder chairman Gautam Adani and his key associates in a US Court for allegedly paying bribes to Indian officials to secure contracts to supply renewable energy in the country. In January, the new administration revoked Adani's power purchase and began investigations. Thereafter it opted to review and renegotiate the terms to bring the cost below USD 0.06 per unit. Unable to meet the demand, the Adani group has withdrawn from the project. The group conveyed its decision to the Sri Lankan government on February 12 saying it learnt that a Cabinet-appointed negotiations committee and project committee would be constituted to renegotiate the project proposal. The Board of AGEL deliberated on the issue and decided that while the company fully respects the sovereign rights of Sri Lanka and its choices, it would respectfully withdraw from the said project.

Dalai Lama Given Z-category Security Cover Following Threat Intel

Agency: New Delhi: Tibetan spiritual leader Dalai Lama has been given Z-category security from the Union Home Ministry after an intel report regarding threat perception was received by the agencies, sources said on Thursday. The Home Ministry has granted Z-category security to Tibetan spiritual leader Dalai Lama based on an IB threat report. The MHA has provided VIP security, ensuring Z-category protection for the Dalai Lama across India, news agency IANS quoted official sources.

Z Category cover comes with a strength of between 2 to 8 guards. Two PSOs are given at all times of the day and night. The protectee is also given a bulletproof vest. Z+ security cover are provided with NSG mobile security.

Rajat Patidar Appointed New Royal Challengers Bengaluru Captain

Agency: Royal Challengers Bengaluru (RCB) have put an end to all the speculations around Virat Kohli and have named Rajat Patidar as their skipper for the eighteenth season of the Indian Premier League (IPL). The 31-year-old player who hails from Indore, Madhya Pradesh been a part of RCB's core group for a very long time. It was speculated that Virat Kohli was the frontrunner to lead the franchise in the upcoming season, but it is Patidar who has been bestowed with the leadership duties and will have the onus on himself to end Royal Challengers Bengaluru's Trophy drought. Royal Challengers Bengaluru has been a side that enjoys some massive fan following. Just like the Chennai Super Kings , Mumbai Indians and Kolkata Knight Riders , RCB is a team that is backed by their 12th man, their fan army. The Royal Challengers Bengaluru have been led by few greats of the game in the past, that includes the likes of Virat Kohli, Rahul Dravid and Anil Kumble, but nobody has been able to end Royal Challengers Bengaluru's trophy drought. Rajat will have an herculean task ahead of him, but he will hope to replicate what Smriti Mandhana did with RCB in 2024.

Former RCB skipper Virat Kohli too lauded Rajat Patidar with a special video message. Kohli praised Patidar for all the stellar performances that he delivered for the franchise and assured the RCB

skipper that the entire team will be behind him. Royal Challengers Bengaluru retained Patidar for Rs. 11 crore ahead of the upcoming eighteenth season. Patidar was Royal Challengers Bengaluru's second retention after former skipper Virat Kohli. The Bengaluru-based franchise retained Kohli, Patidar and Yash Dayal ahead of the IPL mega auctions. Indore-based cricketer Rajat Patidar debuted in the IPL back in 2021. Patidar has always been a part of the Royal Challengers Bengaluru franchise and has scored a total of 799 runs from 24 innings and 27 IPL matches. The Royal Challengers Bengaluru captain has an average of 34.74 and has scored all these runs with a strike rate of 158.85.

US to deport 2nd batch of illegal immigrants to India

Agency: The US will soon deport another batch of 170-180 illegal immigrants to India. This would be the second batch of immigrants to be deported by the US government. These are individuals who entered the US through "donkey routes" or other illegal means, spending lakhs of rupees, and have been staying in the US for the last one to three years. Though official confirmation from Indian officials is awaited, the US administration sources have said that the deportation could take place this week only. Earlier, the first batch had landed at the Shri Guru Ramdas Ji International Airport in Amritsar. However, no confirmation yet on where the second batch will land. The US action comes as Prime Minister Narendra Modi is in Washington to hold wide-ranging talks with President Donald Trump. Earlier this month, 104 Indian migrants were deported from the US. While 30 of the deportees were from Punjab, 33 each are from Haryana and Gujarat, three each from Maharashtra and Uttar Pradesh, and two from Chandigarh. Earlier, a US military plane C-17 was used to bring back the illegal immigrants. The deportees are expected to be allowed to go home following verification and background checks. Police will focus on identifying any deportee with a criminal record.